'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 206 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

रतन टाटा का सबसे अनूठा पहलू बड़े सपने देखना

समाचार गेट ब्यूरो

मुंबई। टाटा समूह के मानद चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा का दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में रात साढ़े 11 बजे निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया कि उद्योगपति रतन टाटा का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

टाटा के परिवार ने एक बयान में कहा, ''हम – उनके भाई, बहन और परिवार, उन सभी लोगों से मिले प्यार और सम्मान से सांत्वना और सुकून पाते हैं, जो उनका सम्मान करते थे। हालांकि, अब रतन टाटा व्यक्तिगत रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विनम्रता, उदारता और उद्देश्य की विरासत भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।''

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एक बयान में रतन टाटा को अपना ''मित्र और मार्गदर्शक'' बताया।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने एक बयान में कहा, ''हम रतन नवल टाटा को गहरे दुख के साथ विदाई दे रहे हैं। वह वास्तव में एक असाधारण नेतृत्वकर्ता थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि हमारे राष्ट्र के ताने-बाने को भी आकार दिया है।'' उन्होंने कहा कि 1991 से रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी कारोबारी नेता और असाधारण इंसान बताया।

रतन टाटा का आज मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया।

मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''श्री रतन टाटा जी का सबसे अनूठा पहलू बड़े सपने देखना और दूसरों को कुछ देने के प्रति उनका जुनून था। वह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहे थे।''

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें ''देश का महान सपूत'' बताया। गडकरी ने 'एक्स' पर लिखा, ''रतन टाटा के साथ मेरे तीन दशकों से घनिष्ठ पारिवारिक संबंध थे।''

नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने भी रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक जताया।

अरबपति हर्ष गोयनका ने भी टाटा के निधन पर दुख जताया और 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्हें ''टाइटन'' (अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति) करार दिया।

रतन टाटा ने सोमवार को कहा था कि उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है और वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच करा रहे हैं।

उन्होंने कहा था, ''मैं उम्र संबंधी बीमारियों के कारण अभी चिकित्सकीय जांच करा रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं।''

हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आश्वासन के बाद हड़ताल की समाप्त

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा राइस मिलर्स के सभी मुद्दों के समाधान के आश्वासन के बाद, हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन ने अपनी हड़ताल समाप्त करने और राज्य भर की मंडियों में धान का उठान फिर से शुरू करने की घोषणा की।

आज चंडीगढ़ में हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में, श्री नायब सिंह सैनी ने उनकी विभिन्न मांगों को सुनते हुए कहा कि एसोसिएशन की अधिकतर मांगें भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और केंद्र सरकार से संबंधित हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि किसानों और व्यापारियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो इसके लिए उनकी सभी मांगों और मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। इस पर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि राइस मिलर्स द्वारा उठान प्रक्रिया को तुरंत प्रभाव से शुरू किया जायेगा।

मिलिंग शुल्क बढ़ाने के अनुरोध के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि मिलिंग शुल्क भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है, इसलिए राज्य सरकार इसे बढ़ाने के संबंध में केंद्र सरकार से अनुरोध करेगी। यदि केन्द्र सरकार द्वारा मिलिंग शुल्क में वृद्धि नहीं की जाती है तो राज्य सरकार मिल मालिकों को अतिरिक्त बोनस देने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि ड्रायज चार्ज को 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 1 प्रतिशत करने के अनुरोध पर भी विचार किया जाएगा।

हाइब्रिड धान के लिए आउट-टर्न अनुपात के संबंध में मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन को आश्वासन दिया कि आउट-टर्न अनुपात को कम करने के लिए मिल मालिकों की मांग पर विचार करने की सिफारिश के साथ इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रतिनिधियों के साथ आईआईटी खड़गपुर को एक अध्ययन का जिम्मा सौंपा गया है। अध्ययन दल द्वारा अक्टूबर/नवंबर 2024 में हरियाणा की चावल मिलों का दौरा करने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विभिन्न एफसीआई गोदामों में 16 लाख मीट्रिक टन धान के भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में 8 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता उपलब्ध है, तथा दिसंबर 2024 तक 8 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार होने की उम्मीद है।

देश के जाने-माने उद्योगपति रतन टाटा जी का देहांत एक बहुत बड़ी हानि है: अनिल विज

रतन टाटा जी न केवल एक अच्छे उद्योगपति थे बल्कि वह एक बहुत अच्छे परोपकारी व्यक्ति भी थे – अनिल विज

रतन टाटा जी के जाने से उन्हें (अनिल विज) आज बहुत दुख है – विज

मनोहर लाल खट्टर पर बांटने के संबंध में राव इंद्रजीत सिंह जी ही बता सकते हैं – विज

जिस भी प्रदेश में जिस भी चुनाव में कांग्रेस हारती है उसके बाद रोती है – विज

हाई कमान मीडिया फ्रेंडली है तथा सारी बात मीडिया को बताती है – विज

मैंने आठवीं बार दोबारा से जीतने का काम शुरू कर दिया है – विज

मेरे स्कैनर में सब आया हुआ है और मैं हिसाब-किताब सबका करता हूं – विज

समाचार गेट ब्यूरो

अंबाला/चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि देश के जाने-माने उद्योगपति रतन टाटा जी का देहांत एक बहुत बड़ी हानि है। उन्होंने कहा कि रतन टाटा जी न केवल एक अच्छे उद्योगपति थे बल्कि वह एक बहुत अच्छे परोपकारी व्यक्ति भी थे। उन्होंने कहा कि रतन टाटा जी ने सरकार के दुख सुख के समय हमेशा दिल खोलकर सहयोग दिया है तथा भारत में उद्योग को काफी आगे लेकर गए हैं जिसका उनके जाने से उन्हें आज बहुत दुख है। श्री विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

मनोहर लाल खट्टर पर बांटने के संबंध में राव इंद्रजीत सिंह जी ही बता सकते हैं – विज

केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत सिंह द्वारा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर पर बांटने के संबंध में लगाए गए आरोप के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस बारे में तो सही मायने में राव इंद्रजीत सिंह जी ही बता सकते हैं जो आरोप लगा रहा है स्पष्टीकरण भी उसी को देना चाहिए अन्यथा बिना मतलब की भ्रांतियां फैलती है।

जिस भी प्रदेश में जिस भी चुनाव में कांग्रेस हारती है उसके बाद रोती है – विज

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा ईवीएम के हैक हो जाने के संबंध में दिए गए बयान के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने प्रश्न खड़ा करते हुए कहा कि क्या जम्मू कश्मीर में ईवीएम हैक नहीं हुई। मतगणना वाले दिन जब सुबह यह भगडे डाल रहे थे और कह रहे थे कि नतीजा हमारे हक में आ रहा है, मैं (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) तो पहले कह रहा था, कांग्रेस बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। जब आप (हुड्डा) आप कह रहे थे तब क्या ईवीएम हैक नहीं हो रही थी। जब ये (कांग्रेस) हारते है क्या तभी हैक होती है। उन्होंने कहा कि जिस भी प्रदेश में जिस भी चुनाव में कांग्रेस हारती है उसके बाद जो रोती है और इनके रोने में ईवीएम की आवाज आती है।

हाई कमान मीडिया फ्रेंडली है तथा सारी बात मीडिया को बताती है – विज

हरियाणा सरकार के गठन और कैबिनेट में अनिल विज के शामिल होने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारा काम जो था वह हमने कर दिया। हमने विजय होने का प्रमाण पत्र ले लिया और हम विजयी घोषित हो गए। अब जो बाकी का काम है और जिनकी जिम्मेदारी है उनको करने दिया जाए और उस संबंध में हाई कमान कार्य कर रही है। आपके सामने सारी स्थिति हाई कमान बताएगी और हाई कमान मीडिया फ्रेंडली भी है तथा सारी बात मीडिया को बताती है।

मैंने आठवीं बार दोबारा से जीतने का काम शुरू कर दिया है – विज

अनिल विज के चुनाव के बाद एक्शन मोड में आने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी की जनता ने उन्हें सातवीं बार चुनाव जिताया है और जीतने के साथ ही मैंने आठवीं बार दोबारा से जीतने का काम शुरू कर दिया है। इसलिए मैं कल कई परियोजनाओं को देखकर आया हूं और मैंने इन परियोजनाओं की प्रगति को देखा है इसलिए मैंने आठवीं बार का कार्य शुरू कर दिया है।

मेरे स्कैनर में सब आया हुआ है और मैं हिसाब-किताब सबका करता हूं – विज

विपक्ष के साथ-साथ अधिकारियों ने उन्हें हारने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब उन्होंने कहा कि यह सभी को ज्ञात है कि अंबाला प्रशासन का रवैया भाजपा या भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ कैसा रहा है। ये किसके साथ पींगे बढ़ाते रहे, यह बात सबको पता है और मेरे स्कैनर में यह सब आया हुआ है और मैं हिसाब किताब सबका करता हूं।

फरीदाबाद में चार दिन से चार साल का मासूम लापता, भटक रहे परिजन

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद के एनआईटी 86 विधानसभा स्थित बाबा मंडी के सामने डेरी वाली गली में एक चार साल के मूक बधिर बच्चे की गटर में गिरने के बाद मौत की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि चार साल का बच्चा साहिल बीते 7 तारीख के शाम लगभग 5:30 से लापता है। लापता बच्चे की मां अफसाना के मुताबिक वह डेरी वाली गली में पिछले लंबे समय से किराए पर रहती है। उसने बताया कि उसका बच्चा अक्सर गली में अन्य बच्चों के साथ खेला करता था। बीते सात तारीख की शाम से उसका बच्चा लापता है। बच्चे की लापता होने के बाद उन्होंने अपने को आसपास इधर-उधर काफी तलाश की, लेकिन बच्चे का कुछ भी सुराग नहीं लग पाया। उन्हें भरोसा है कि उनका बच्चा गली में खुले सीवर के हॉल में गिर गया है। बच्चे की मां अफसाना अब जिला प्रशासन से गटर को साफ कर बच्चे को निकालने के गुहार लगा रही है। जानकारी देते हुए गौ रक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिट्टू बजरंगी ने बताया कि न केवल इस गली में सीवर ओवरफ्लो है, सीवर के ढक्कन खुले हुए हैं, बल्कि पूरे एनआईटी फरीदाबाद में सीवर ओवरफ्लो का यही आलम है। बच्चा 4 दिन से लापता है, लेकिन जिला प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी है। बिट्टू बजरंगी ने बताया कि लापता बच्चे की मां उनके पास उनसे मदद मांगने के लिए पहुंची थी। उन्होंने घटनास्थल की वीडियो सोशल मीडिया और जिला प्रशासन को भेज कर गटर को जल्द सफाई कर बच्चे को बाहर निकालने की सिफारिश की हैं, उन्हें आशंका है कि 99 प्रतिशत बच्चा इसी घटना में है, एक परसैंट अगर हो सके तो बच्चा कहीं और लापता हो सकता है, क्योंकि बच्चे की मां के मुताबिक बच्चा अक्सर इसी गली में खेला करता था। जो कि बोलने और सुनने में असमर्थ था। कहीं उसके साथ कोई दुर्घटना हुई हो। बच्चा गटर में गिर गया हो। बिट्टू बजरंगी ने बताया कि यह सारी नाकामी पूर्व में कांग्रेसी निवर्तमान विधायक नीरज शर्मा द्वारा की गई है। उन्होंने इलाके में कोई विकास नहीं कराया इसके चलते यहां के लोग नारकिया जीवन जीने को मजबूर है । लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अब इलाके में बीजेपी के विधायक बने है और सरकार भी अब बीजेपी की है। इसलिए अब इलाके में लोगों को इस समय से अवश्य छुटकारा मिलेगा।

सिविल अस्पताल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मेंटल हेल्थ डे

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सिविल अस्पताल फरीदाबाद में सीएमओ डॉक्टर अशोक कुमार और डिप्टी सिविल सर्जन डॉ राम भगत, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ हरजिंदर सिंह, सुभाष गहलोत, प्रदीप कुमार टीबी, एचआईवी ,मेंटल हेल्थ,ओएस टी स्टॉफ की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय मेंटल हेल्थ डे मनाया गया। बीके अस्पताल के एएनएम स्टूडेंटने एक नाटक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानसिक रोगों के प्रति जागरूक किया तथा एक रैली का आयोजन किया गया, जो बीके अस्पताल से बीके चौक तक लोगों को जागरुक करते हुए निकाली गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि इस दिवस की थीम कार्य स्थल पर मानसिक स्वस्थ रखा गया अंतर्राष्ट्रीय मेंटल हेल्थ डे 1992 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य , नशे व एचआईवी एड्स से बचने के लिए जागरूक किया गया। डॉक्टर हरजिंदर कुमार ने बताया कि लोग जिज्ञासा बस आनंद प्राप्ति के लिए, संगति में, पारिवारिक समझ की कमी, सरलता से नशे की उपलब्धता में मानसिक परेशानी के चलते नशे का उपयोग करते हैं उन्होंने भिन्न-भिन्न प्रकार के नशे का उपयोग करने से होने वाले शारीरिक व व्यावहारिक लक्षणों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया की दवाइयो काउंसलिंग व पुनर्वास द्वारा नशे की लत से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता। प्रीति यादव काउंसलर ने बताया कि मानसिक तनाव के कारण लोग आत्महत्या करने की भी कोशिश करते हैं मानसिक तनाव से ही नशे की लत में पड़ जाता है और चोरी करने तक कि उनको लत लग सकती है इस मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार डिप्टी सिविल सर्जन डॉ राम भगत डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर हरजिंदर कुमार डिप्टी सिविल सर्जन डॉ राजेश श्योकंद, डॉ महेंद्र साहनी और टीबी एचआईवी कोऑर्डिनेटर सुभाष गहलोत, प्रदीप कुमार Monitoring Evaluation Officer, राजकुमार, अशोक, दिनेश, विकास वीरेंद्र कुलभूषण प्रीति यादव, गीतिका, सुमंत्रा, अनुक्रमा भाटी, ममता, अंजलि कविता अनीता प्रीति साधना सुमित आदि मौजूद थे!

विधायक एवं पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा ने जताया बल्लभगढ़ की जनता का आभार

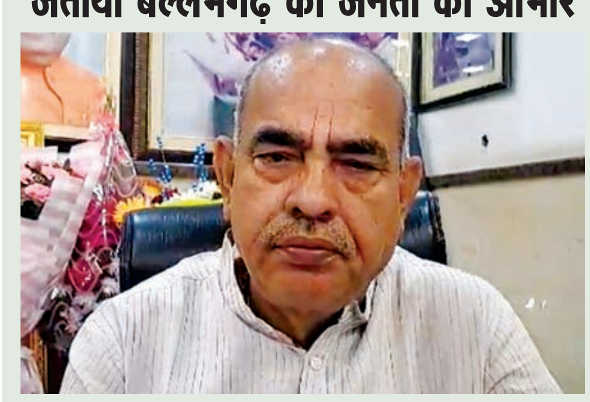

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लबगढ़। बल्लभगढ़ से नवनिर्वाचित विधायक एवं पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि उनकी जीत का श्रेय बल्लभगढ़ की जनता को जाता है। मै बल्लभगढ़ की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। और कहा कि विकास का जो पहिया चल रहा था ।उसकी गति और ज्यादा तेज की जाएगी ताकि लोगों को जल्द से जल्द फायदा पहुंचाया जा सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जो लोग बल्लभगढ़ में तरह-तरह के प्रपंच रच कर लोगों को गुमराह कर रहे थे। अब उनको उनकी ससुराल भेजने का काम करेगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा में पूर्ण बहुमत की सरकार बन रही है और उम्मीद है कि दशहरे के बाद शपथ ग्रहण समारोह किया जाएगा। हरियाणा में अब प्रेशर की सरकार नहीं बनेगी बल्कि आम जनता की सरकार हरियाणा में स्थापित हो रही है।

नौवाँ श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लबगढ़। श्याम मित्र मंडल 18 तारीख वालो के द्वारा नौवाँ विशाल श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 को शाम 7:00 बजे से भडाना चौक गली नंबर 10 फरीदाबाद में बड़ी धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है,ट्रस्ट के प्रधान करन ने बताया की संकीर्तन में भव्य दरबार व भव्य झाकियो के साथ श्री देवेंद्र पुजारी जी चुलकाना धाम के पावन सानिध्य में भजन प्रवाहक राधा विमल दीक्षित,किशोर वर्मा,वंशिका शर्मा,ज्ञानेंद्र सरधाना व सोनू वादी के द्वारा सभी भक्तों के साथ मिलकर बाबा के भजनों का गुणगान किया जाएगा ।जिसमें वीरवार 17 अक्टूबर 2024 को प्रात: 10:00 बजे कीर्तन स्थल से 60 फुट रोड़, कपड़ा कालोनी से होते हुये एयरफोर्स रोड शिव मंदिर तक विशाल निशान यात्रा श्याम बाबा की झांकी बैंड बाजो व डीजे के साथ निकाली जाएगी।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायी नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

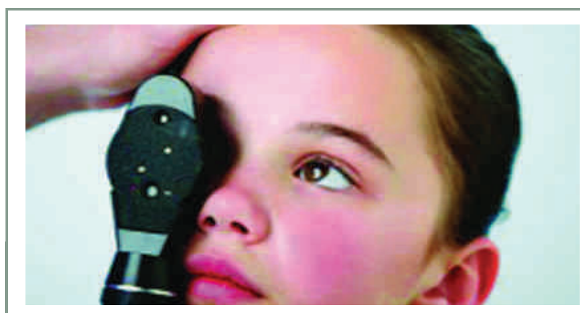

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

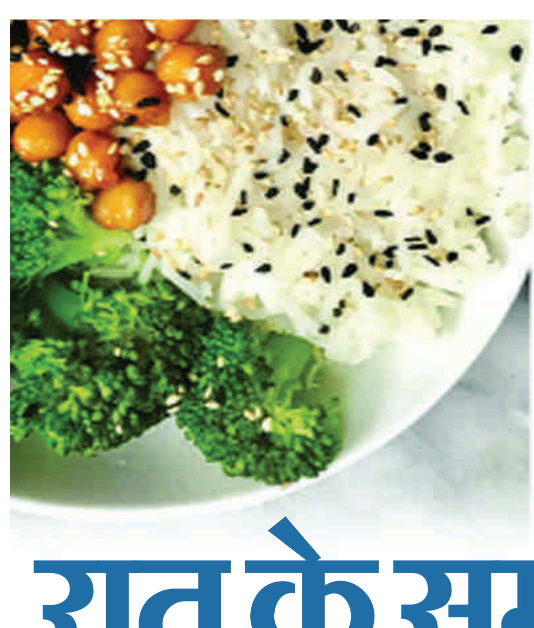

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

फरीदाबाद सिविल अस्पताल में दवाईयों के लिए भटक रहे मरीज

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले के सिविल अस्पताल बीके में दवाओं की कमी बनी रहती है। ऐसी स्थिति में दूर-दराज से आने वाले मरीजों को घंटों इंतजार करने के बाद भी दवा नहीं मिलती है। इस कारण मरीजों को बाहर की दुकानों से दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। बताया जा रहा है कि प्रबंधन के सामने कई बार दवाओं की कमी के बारे में बताया जा चुका है, लेकिन प्रबंधन हर बार दवाइयों के पूरा स्टॉक होने कम बात करता है। बीके अस्पताल में मरीजों के अनुसार मौजूदा समय में अस्पताल में बिफिलैक्स और डोमेपैरिडोन दवाइयां मौजूद होने के बाद भी नहीं मिल रही हैं और लोगों को बाहर से खरीदनी पड़ रही है। इसके अलावा चर्म रोग में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी नहीं मिल रही हैं। डॉक्टर ओपीडी कार्ड की जगह अलग से पर्ची में दवाई लिख कर दे रहे है। बीके अस्पताल में दवाई की किल्लत के कारण अब निजी मेडिकल स्टोर वाले फल फूल रहे है। दवाई न होने के कारण अब डॉक्टर भी मरीजों के लिए निजी औषधि केंद्र के लिए दवा लिख रहे हैं। इससे मरीजों को बाहर से डबल रेट पर दवाई खरीदनी पड़ती है। मरीजों का आरोप है कि जब वह दवाई लेने आते है, तो डॉक्टर ऐसी दवाई लिखते है जो उन्हें अस्पताल के औषधि केंद्र से नहीं मिलती है। कई बार तो डॉक्टर उन्हें कहते है कि बीके चौक पर एक निजी औषधि केंद्र है, वहां चले जाए, वहां से मिल जाएगा। सिविल अस्पताल बीके के फार्मासिस्ट रमेश से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि फार्मेसी में बिफिलैक्स और डोमेपैरिडोन दोनों दवाई उपलब्ध है। उन्होंने डॉक्टर की दूसरी पर्ची पहचानने से मना कर दिया। अस्पताल में दवाई लेने आए प्रतीक सेक्टर 22 निवासी ने बताया कि उन्हें एलर्जी है। जिसके कारण मैं डॉक्टर से दवाई लिखवाकर आया था, लेकिन डॉक्टर ने ओपीडी कार्ड पर सिर्फ एक दवाई लिखी। उसके अलावा सारी दवाइयां एक सफेद पर्ची पर लिखी है, जो बाहर से लेनी है। यह दवाइयां बाहर औषधि केंद्र पर डबल पैसों में मिलेगी। डॉक्टर ने बताया कि यह दवाइयां यहां नहीं मिलेगी। इस कारण से बाहर की दवा लिखी है। वहीं अर्शी बडख़ल निवासी ने कहा अस्पताल में दूर से आते है, लेकिन कभी भी पूरी दवाई नहीं मिलती है, मुझे गले में गांठ है। जिसके लिए डॉक्टर ने दवाई लिखी थी। लेकिन अस्पताल के औषधि केंद्र पर केवल मुझे बुखार की पेरासिटामॉल दे दी, जबकि मुझे डॉक्टर ने गले में गांठ की दवाई लिखी थी। अब मुझे सारी दवाइयां बाहर मेडिकल स्टोर से लेनी होगी।सिविल अस्पताल के वीरेंद्र कुमार चीफ फार्मेसी ऑफिसर ने बताया कि अस्पताल में डेली हजारों मरीज अपना इलाज करवाने के लिए आते है, सभी को दवाइयां दी जाती है। अगर कोई दवा खत्म है, तो मंगवा कर दी जाती है। जिस दवाई की डिमांड ज्यादा होती है, जब वो खत्म हो जाती है, तभी उसे मरीज के लिए बाहर से लिख दिया जाता है। लेकिन मरीज के पर्ची में लिखी सभी दवाइयां अस्पताल से मिल जाती है। मरीज को किसी भी तरह से समस्या नहीं होने दी जाती है।

वैष्णो देवी मंदिर में सातवें दिन हुई मां कालरात्रि की भव्य पूजा

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। महारानी श्री वैष्णो देवी मंदिर में सातवें दिन मां कालरात्रि की भव्य पूजा अर्चना की गई. मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने पूजा अर्चना का शुभारंभ करवाया. इस अवसर पर भक्तों ने मंदिर में पहुंच कर माता कालरात्रि की पूजा अर्चना में हिस्सा लिया. इस अवसर पर मंदिर संस्थान के चेयरमैन प्रताप भाटिया. सोनिया बत्रा. नीलम मनचंदा. अंजू भड़ाना और नीरज कुमार ने माता के दरबार में अपनी हाजिरी लगाई. इस अवसर पर मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने आए हुए अतिथियों को माता की चुनरी और प्रसाद भेंट किया. इसके पश्चात श्री भाटिया ने श्रद्धालुओं को माता कालरात्रि की महिमा से अवगत करवाते हुए कहा किठुनवरात्रि के सातवें दिन देवी दुर्गा के मां कालरात्रि स्वरूप की पूजा की जाती है. मान्यता है कि देवी के इस

रूप की आराधना करने से साधक बुरी शक्तियों से दूर रहते हैं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता. यह भी माना जाता है कि इनकी पूजा करने से सिद्धियां प्राप्त होती हैं.

देवी दुर्गा के सातवें स्वरूप की पूजा सुबह और रात्रि दोनों समय की जाती है. इनकी आराधना करने से पहले देवी काली की प्रतिमा के आसपास गंगाजल का छिड़काव करें. इसके बाद घी का दीपक जलाएं. फिर आप रोली, अक्षत, गुड़हल का फूल माता की तस्वीर के सामने अर्पित करें. अंत में आप पूरे परिवार के साथ कपूर या दीपक से माता की आरती करें और जयकारे लगाएं. आप सुबह शाम आरती करने के साथ दुर्गा चालीसा या सप्तशती का पाठ भी कर सकते हैं. इसके अलावा आप मां कालरात्रि की रुद्राक्ष की माला से मंत्रों का जाप करें. यह भी बहुत फलदायी होता है.कालरात्रि को गुड़ से बनी चीजों का भोग लगाएं. यह माता को बहुत प्रिय है. श्री भाटिया ने कहा कि माता कालरात्रि की सच्चे मन से पूजा करने वाले भक्तों की अरदास जरूर पूरी होती है.

51.51 किलोग्राम पटाखों सहित आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम के द्वारा अवैध पटाखों को सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी कमलेश कुमार फरीदाबाद की संजय कॉलोनी मुजेसर का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से थाना मुजेसर के एरिया संजय कॉलोनी से काबू किया है। आरोपी से मौके पर 51.500 किलोग्राम पटाखे बरामद किए गए है। आरोपी के खिलाफ थाना मुजेसर फरीदाबाद में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए दिल्ली में किसी व्यक्ति से 15000/-रु में प्रतिबंधित पटाकों खरीद कर लाया था जिनको वह बेच ने का काम कर रहा था। आरोपी पिछले 2/3 दिन से पटाके बेचने का काम कर रहा था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

फरीदाबाद पहुंची गोल्ड विजेता कनिष्का डागर, हुआ भव्य स्वागत

जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड व सिल्वर मेडल

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले के जाजरू गांव की बेटी कनिष्का डागर ने अमेरिका के पेरू में हो रहे जूनियर विश्व चैमपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर पदक जीता है। गुरुवार को बल्लभगढ़ पहुंचने पर परिवार के लोगों ने कनिष्का डागर को फूल माला और पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। कनिष्का डागर ने बताया की अमेरिका के पेरू में हो रहे जूनियर विश्व चैमपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल और 50 मीटर में एयर पिस्टल में सिल्वर पदक हासिल किया है। उन्होंने इसका श्रेय उनके माता-पिता और कोच दीपक सिंह को दिया है। इनकी मदद से ही वह यह मुकाम हासिल कर पाई हैं। कनिष्का डागर के पिता अनिल कुमार नाना देवी सिंह और कोच दीपक सिंह का कहना है कि बेटी कनिष्का ने देश का नाम रोशन किया है। जिसने दो मेडल हासिल किए हैं, उन्हें गर्व है कनिष्क ने काफी मेहनत और परिश्रम करके यह मुकाम हासिल किया है।

लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करना बेहद जरूरी : डॉ. रोहित गुप्ता

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। घरों में बढ़ते लड़ाई झगड़े, ऑफिस का तनाव, घंटो ट्रैफिक में फंसे रहना आदि का स्ट्रेस लोगों को मानसिक रोगी बना रहा है। खासकर युवा वर्ग आज इस बिमारी की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर यह बात ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. रोहित गुप्ता ने कही। उन्होंने मरीजों को जागरूक करते हुए कहा कि आज लोग मेंटल स्ट्रेस, डिप्रेशन, इंजाईटी आदि की समस्या से जूझ रहे है। ऐसे में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करना बेहद जरूरी हो गया है।

वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि हर साल 10 अक्टूबर को वर्ल्ड मेंटल हेल्थ दे मनाया जाता है। जागरुकता से ही लोग मानसिक तनाव से होने वाली कई गंभीर बीमारियों के खतरे से बच सकते हैं। इसलिए लोगों को सावधानी बरतने जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अस्पतालों में सबसे ज्यादा मानसिक रोगी बड़े है। सरकारी हो या प्राइवेट अस्पताल, हर जगह तनाव ग्रस्त भारी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

एकॉर्ड अस्पताल की न्यूरोलॉजी ओपीडी में मानसिक तनाव के रोजाना 3 से 5 नए मरीज होते हैं। उन्होंने कहा कि मेंटल हेल्थ एक ऐसा विषय है जो हमारे जीवन में बेहद अहमियत रखता है, फिर भी ज्यादातर लोग इसकी अनदेखी ही करते हैं. मेंटल स्ट्रेस, डिप्रेशन, इंजायटी से लेकर हिस्टिरिया, फोबिया जैसी कई मानसिक बीमारियां है जो पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रही है। कोरोना के इस दौर में तो सोशल डिस्टेंसिंग, आइसोलेशन के कारण ये समस्याएं और भी बढ़ गई हैं। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता काफी अहम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को मनाने के पीछे का उद्देश्य लोगों को मेंटल हेल्थ और

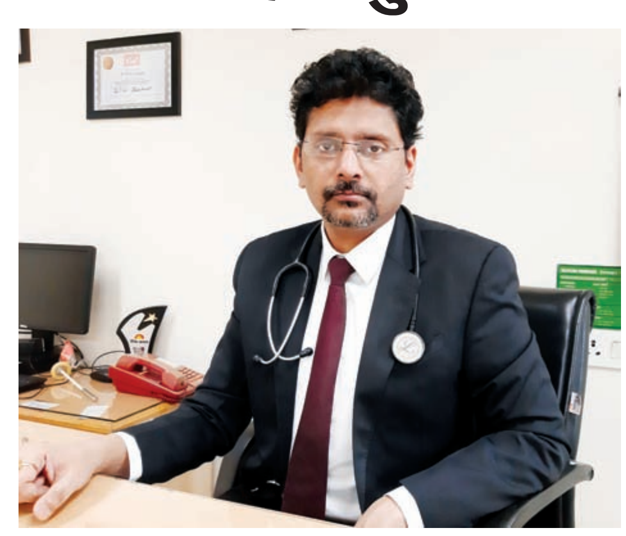

मानसिक बीमारियों को लेकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना। आज कल की भागदौड़ भरी लाइफ और काम का प्रेशर मानसिक बीमारियों को बढ़ा रहा है। इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य में हमारी डाइट भी अहम भूमिका निभाती है। अनहेल्दी खान-पान भी मानसिक बीमारियों का कारण बन सकता है। मानसिक तनाव से बचने के लिए लोगों को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा किसी भी प्रकार का मानसिक तनाव होने पर अनदेखी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। इसलिए बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

बडखल में डिपो होल्डरों को समय से देना होगा लोगों को राशन : धनेश अदलक्खा

नगर निगम व एफएमडीए अधिकारियों व डिपु होल्डरों को दी चेतावनी

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। बडख़ल विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक धनेश अदलक्खा ने आज चुनाव परिणाम के 48 घंटों के अंदर ही नगर निगम व एफएमडीए अधिकारियों की बैठक बुलाई और उन्हें सख्त लहजे में अल्टीमेटम दिया। धनेश अदलक्खा ने सीवरेज की समस्या को लेकर एफएमडीए व नगर निगम अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि 72 घंटे में उन्हें एनआईटी 3 में सीवरेज की समस्या का अस्थाई निदान चाहिए। इसके साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी प्राथमिकता के आधार पर अधिकारी सीवरेज की समस्या का जल्द से जल्द निदान करें।

उन्होंने तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि अधिकारी अब दफ्तरों में बैठने की बजाय फील्ड में नजर आएं। यदि अधिकारी फील्ड में नजर आएंगे तो निश्चित रूप से समस्याओं से अवगत भी होंगे और उनका समाधान भी हो पाएगा। साथ ही उन्होंने नक्शे के साथ बडख़ल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सीवरेज की समस्या का कैसे निदान किया जा सकता है, इस पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी एक बात समझ लें कि यदि वे उन्हें या जनता को झूठ बोलकर भ्रमित करने का

प्रयास करेंगे तो निलंबन व एफआईआर के लिए तैयार रहें। कार्य में कोताही किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस मामले में निगमायुक्त मोना श्रीनिवासन से भी मोबाइल पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि एफएमडीए व नगर निगम के अधिकारी तालमेल के साथ काम करें ताकि जनता की समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि बडख़ल विधानसभा से सीवरेज की समस्या का समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है। वहीं डिपु होल्डरों द्वारा की जा रही मनमानी पर भी धनेश अदलक्खा सख्त नजर आए। उन्होंने कहा कि डिपु होल्डर समय पर तथा निर्धारित मात्रा में राशन वितरित करते नजर नहीं आए तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में उन्हे बख्शा नहीं जाएगा।

इस दौरान धनेश अदलक्खा मुजेसर डिस्पोजल के निरीक्षण के लिए भी पहुंचे और अधिकारियों को सीवरेज समस्या को लेकर निर्देश दिए। भाजपा विधायक धनेश अदलक्खा ने कहा कि उन्हें 5 साल बडख़ल की जनता ने विधायक के रूप में दिया है और वे खुद सडक़ों पर उतरकर जनता के इस विश्वास पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि यदि कार्य करने में चाहे कोई अधिकारी हो या कर्मचारी लापरवाही बरतता हुआ या फिर अड़ंगा लगाता हुआ पाया गया तो वह सलाखों के पीछे जाने के लिए भी तैयार रहे। इस मौके पर धनेश अदलक्खा ने दशहरे को लेकर कहा कि बेशक प्रशासन दशहरे की व्यवस्था संभालेंगे परंतु समस्त समाज इस दशहरे को मनाएगा। इसके लिए किसी से कोई भी चंदा नहीं वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति नहीं होने दी जाएगी। त्यौहार को त्यौहार की तरह की सभी लोगों के साथ हर्ष-उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार बोहरा, निवर्तमान मेयर सुमन बाला भी मौजूद रहे

खफा बिजली कर्मचारियों ने एक्सईएन कार्यालय पर किया प्रदर्शन

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। सर्कल में लंबित मांगों को लेकर बिजली कर्मचारियों ने लंच टाइम में ओल्ड फरीदाबाद डिवीजन पर धरना प्रदर्शन किया। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन की सर्कल कमेटी का आह्वान पर आयोजित इस धरना प्रदर्शन में सब डिवीजन के सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया। जिसकी अध्यक्षता यूनिट के सह सचिव कुलदीप सिंह ने की और संचालन सेकेट्री प्रवेश बैंसला ने किया। सर्कल सचिव कृष्ण कुमार कालीरमन ने कहा कि सर्कल में लंबित एक एक मांग का समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया है मांगों का समाधान करने की बजाय अधिकारी धमकी देकर जले पर नमक छिडक़ने का काम कर रहे हैं। जिसको यूनियन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। धरने को संबोधित करते हुए ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी व सर्कल सचिव कृष्ण कुमार कालीरमन ने कहा कि सर्कल फरीदाबाद में कर्मचारियों कि समस्याएं काफी लंबे समय से पैंडिंग है। जिनकी तरफ निगम मैनेजमेंट का कोई ध्यान नहीं है। जिसके कारण कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी वजह से कर्मियों को धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को ईलाज के नाम पर भद्दा मजाक किया जा रहा । नवंबर,2023 से कच्चे कर्मचारियों के 1500 रुपये काटे गए थे। उसके बाद 125 रुपये हर महीने कट रहे हैं। लेकिन ना कच्चे कर्मचारियों को ईलाज संबंधित सुविधा निगम मुहैया करा रहा है और ना ही हरियाणा कौशल रोजगार निगम मुहैया करवा रहा है। धरना-प्रदर्शन को पूर्व सी सी मेंबर विनोद शर्मा,यूनिट प्रधान भूप सिंह कौशिक, रामकेश साहरण, वेद प्रकाश कर्दम,संजय धनंगईया, राजवीर शर्मा, अरूण कुमार शर्मा, देवेन्द्र कुमार,निशा रानी,पुजा शर्मा, सतीश कुमार, निरंजन, मुकेश कुमार लांबा,आदि ने संबोधित किया व सभी कर्मचारी उपसथित रहे।

संपादकीय

हरियाणा के चुनाव: जाट बनाम गैर जाट

हरियाणा में मिली अप्रत्याशित बीजेपी के लिए आने वाले चुनावों के लिहाज से भी एक शुभ संकेत जैसा ही है, जिसकी शुरुआत महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव से होगी। फिर दिल्ली भी इससे प्रभावित होगी, क्योंकि उसके चारों ओर कमल खिला हुआ है। इस प्रकार हरियाणा ने बीजेपी को 2024 लोकसभा चुनावों के दौरान देखी गई अप्रत्याशित गिरावट को उलटने का पहला वास्तविक मौका दिया है। क्योंकि यहां की जीत से महाराष्ट्र, झारखंड और अंततः दिल्ली में भी बेहतर प्रदर्शन की नींव रखी जा सकती है। बशर्ते कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर कतरने वाली सियासत को वह अंदरूनी तौर पर बढ़ावा नहीं दे। क्योंकि हरियाणा में भी सर्वाधिक मांग योगी की ही थी चुनाव प्रचार के दौरान। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में इस वर्ष के आखिर तक चुनाव होने वाले हैं। वहीं, झारखंड में भी जल्द ही चुनाव होंगे। संभव है कि दिल्ली का चुनाव भी इन राज्यों के साथ हो जाए। अगले वर्ष बिहार में भी चुनाव होंगे। इसलिए हरियाणा में जीत से बीजेपी को एक तरीके से आगामी चुनावों में जो नैतिक बढ़त हासिल होगी, वही उसकी वास्तविक पूंजी है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

वहीं, देश पर सर्वाधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस अंततः जीती हुई लड़ाई कैसे हारती है, यह भी हरियाणा के चुनाव परिणाम से समझा जा सकता है। जहां पार्टी युवराज और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अदूरदर्शिता भरी बयानबाजी ने पूरी पार्टी की लुटिया ही डुबो दी। जातिगत जनगणना, एससी और ओबीसी पॉलिटिक्स, अल्पसंख्यक सियासत पर पार्टी नेतृत्व के अतिरेक निर्णय ने उन सवर्ण जाटों को भी कांग्रेस के ऊपर फिदा होने से रोक दिया, जिनके दम पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पूरी सियासत चमक सकती थी। मैं राजनीतिक विश्लेषकों की उन बातों से सहमत नहीं हो सकता कि इस चुनाव में कांग्रेस को भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जरूरत से ज्यादा भरोसा महंगी पड़ी।

यह ठीक है कि हुड्डा को ज्यादा तरजीह दिए जाने के कारण कुमारी शैलजा विफर उठीं, जिससे कांग्रेस की आंतरिक कलह सार्वजनिक मंचों पर भी सामने आ गई। उनके बाद भले ही राहुल गांधी ने सैलजा और हुड्डा का हाथ मिलवाया, लेकिन उनके प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के दिल आपस में नहीं मिल सके। इससे कांग्रेस बीजेपी के खिलाफ उपजे राज्यव्यापी गुस्से को भुनाने में कामयाब नहीं हो पाई। जबकि प्रचार के आखिरी चरण में बीजेपी ने अपने कील-कांटे इस प्रकार से दुरुस्त कर लिए कि उसकी जीत सुनिश्चित हो और ऐसा ही हुआ। अंततः भाजपा ने बाजी मार ली।

चर्चा है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस में शुरु से ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की चली। जिन्होंने अपने मन के मुताबिक टिकट बांटे। चूंकि हाईकमान से फ्री हैंड मिलने के बाद हुड्डा ने न सिर्फ अपने समर्थकों को टिकट बांटे बल्कि सैलजा समर्थकों को महज 9 कमजोर सीट देकर साइड लाइन कर दिया। इस तरह से उन्होंने अपनी ही पार्टी में अंतर्कलह के बीज रोप दिए। नतीजा सामने है, क्योंकि सैलजा की सार्वजनिक नाराजगी के बाद कांग्रेस के दलित कार्यकर्ता छिटक गए। राहुल की आरक्षण हटाने वाली बयानबाजी ने भी दलितों को कांग्रेस से छिटकने का मौका दिया।

वहीं, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कारण ही आम आदमी पार्टी से गठबंधन का रास्ता भी लगभग बंद हो गया, जिसकी खीझ में आप ने भी 90 सीटों पर कैंडिडेट उतार दिए। स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन में फूट का संदेश मतदाताओं के बीच अच्छा नहीं गया। आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस के ही वोट काटे। उधर भारतीय राजनीति में कभी तीसरे मोर्चे की भूमिका निभा चुके इंडियन नेशनल लोक दल और उसके बागी धड़े जननायक जनता पार्टी से गठबंधन कर चुकी चौथे मोर्चे की बसपा के अलावा आजाद समाज पार्टी की विपक्ष विरोधी भूमिका से वोटरों में संदेश अच्छा नहीं गया। वहीं, चुनाव प्रचार के दौरान 1 बनाम 35 का नैरेटिव भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कैंप से बाहर आया, जिससे गैर जाट भी कांग्रेस के खिलाफ लामबंद हो गए। क्योंकि भाजपा भी तो यही चाहती थी। इसलिए उसने इन बातों को खूब चुनावी हवा दी।

वहीं, हरियाणा की बाजी अपने हाथ करने में भाजपा के टीम वर्क का सबसे बड़ा हाथ है। जिसकी सबसे मजबूत कड़ी भाजपा का वह सांगठनिक ढांचा है, जिसकी रणनीति में बूथ प्रबंधन उनकी जीत के ताले की चाबी समझे जाते हैं। भाजपा जानती है कि अपने कोर वोटर को कैसे बूथ तक ले जाया जाए। इसमें आरएसएस उसको बैक सपोर्ट देती है। जबकि अन्य सभी दल अपने प्रचार और संपर्क यात्रा के बाद अपने वोटरों को उनके हवाले कर देते हैं, क्योंकि उनके साथ वह मतदान समय के अंत तक कम ही जुड़े रहते हैं। यही वजह है कि जहां हार जीत का बड़ा अंतर नहीं होता है, वहां भाजपा बाजी मार ले जाती है। वह वैसे सभी विधान सभा को अपने सक्रिय और समर्पित कार्यकताओं के जरिए परिणाम बदलने की ताकत रखती है। इस बार भी उसने यही किया और अपने नेक मकसद में कामयाब रही।

यदि भाजपा रणनीतिकारों की बात करें तो हरियाणा में उन्हें अपने कोर वोटर का पक्का भरोसा था। लेकिन उन्होंने हरियाणा में वोट के बिखराव के कई कारण बनाए, ताकि कांग्रेस और हुड्डा परिवार को कमजोर किया जा सके। जानकार बताते हैं कि इनेलो और जेजेपी को अकेले अपने दम पर चुनाव लड़वाने के पीछे भाजपा की ही अंदरूनी शक्ति काम कर रही थी। इतना ही नहीं, जननायक जनता पार्टी और आजाद समाज पार्टी तथा इनेलो व उसके विभिन्न धड़ों और बसपा के बीच हुए गठबंधन के पीछे भी भाजपा रणनीतिकारों के हाथ होने की चर्चा है। चुनावी समरभूमि से यह बात निकलकर के सामने आ रही है कि इन दोनों गठबंधन का हरियाणा के जाट और दलित वोटों पर कुछ कुछ क्षेत्रों पर खास असर दिखा, जिसके वजह से कांग्रेस अपेक्षित वोट हासिल नहीं कर पाई। रही सही कसर आम आदमी पार्टी ने भी पूरी कर दी, जो वोट के विभाजन का जबरदस्त कारण बनी।

वहीं, कांग्रेस जिस किसान, जवान और पहलवान के मुद्दे के सहारे भाजपा को मात देने की रणनीति बना रही थी, उसे वह अपने मंचों तक ही सीमित रख पाई। यदि वह इस विरोध को जन-जन तक पहुंचाने में कामयाब होती तो आज परिणाम इतना निराशाजनक नहीं आता। वहीं, जवान के मामले में कांग्रेस ने अग्निवीर को मुद्दा बनाया। हालांकि, भाजपा ने उसके हर मिशन की अलग अलग तोड़ निकाली।एक ओर नायाब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को राज्य सरकार के द्वारा नौकरी देने की घोषणा कर थोड़ा डैमेज कंट्रोल किया। तो किसानों की नाराजगी को पीएम पेंशन योजना, अनाजों के एमएसपी बढ़ाने तथा अन्य लाभकारी योजना के जरिए मन बदलने की कोशिश की। वहीं, कांग्रेस की गारंटी के जवाब में हिमाचल प्रदेश में उसकी सरकार द्वारा गारंटी देने से हाथ खड़े कर दिए जाने की खूब चर्चा की, जिससे मतदाताओं को राहुल की गारंटी के बजाय मोदी की गारंटी पर ही भरोसा करना पड़ा। वहीं लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस खटाखट 8500 रुपए देने में विफल रही, क्योंकि केंद्र में उसकी सरकार नहीं बन पाई। इससे भी मतदाताओं के बीच उसकी साख गिरी। भाजपा ने चुनावी रणनीति के तहत हरियाणा के चुनाव को जाट बनाम गैर जाट के रूप में तब्दील कर दिया। उसने गैर जाट को ज्यादा टिकट दिया। मतलब कि ब्राह्मण, वैश्य, पंजाबी और अन्य जातियों के उम्मीदवार को प्राथमिकता दी। इतना ही नहीं, चुनाव प्रचार के दौरान खट्टर की छवि जब आड़े आने लगी तो उसने खट्टर को न केवल मंच पर बुलाना बंद कर दिया बल्कि चुनावी पोस्टर से खट्टर का चेहरा तक गायब कर दिया गया। ऐसा साहसिक पहल करके भाजपा ने राज्य में अपनी स्थिति एक हद तक ठीक कर ली और लाभान्वित हुई।

वहीं, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच की लड़ाई का भी नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ा। क्योंकि चुनाव से ठीक पहले सीएम पद की लड़ाई खुल कर सामने आ गई। इससे भाजपा के अरमान पूरे हो गए।

साढ़े सात दशक की आयु में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का राजनीतिक जलवा बरकरार

पार्टी हाईकमान के सामने रूतबा रहा कायम

दक्षिण हरियाणा में 21 सीटों पर कमल खिलने के बाद अब मंत्रीमंडल में मांगी हिस्सेदारी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। दक्षिण हरियाणा से भाजपा के 21 उम्मीद्वारों के जीतने के बाद भाजपा हाईकमान के सामने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह सौ में सौ अंक लेने में कामयाब रहे हैं। जिसे लेकर करीब साढे सात दशक की आयु में उनका राजनीतिक जलवा आज भी यथावत कायम माना जा रहा है। उनके कहने पर भाजपा पार्टी हाईकमान ने अटेली से उनकी पुत्री आरती सिंह राव, कोसली से अनिल डहिना, रेवाडी से लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से डॉ कृष्ण कुमार, नारनौल से औमप्रकाश यादव, दादरी से सुनील सांगवान, बाढडा से उमेद पातुवास, गुरूग्राम से मुकेश शर्मा, पटौदी से बिमला चैधरी, सहित अन्य पार्टी नेताओं को टिकट दिया था। टिकट देते समय उनके जीत की जिम्मेवारी भी केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को सौंपी थी। इस जिम्मेवारी को राव इंद्रजीत सिंह से बखूबी निभाया है। राजनीति के बब्बर शेर कहे जाने वाले राव इंद्रजीत सिंह ने जिस प्रकार चुनाव कंपेनिंग की वह वास्तव में चैंकाने वाली थी। अकेले अटेली हलके पर फोकस न करते हुए उन्होंने रेवाडी, कोसली, गुरूग्राम, पटौदी, बावल, नारनौल को भी उतना ही महत्व दिया। राव इंद्रजीत सिंह दिन के समय जब रेवाडी जिले की सीटों पर चुनाव प्रचार करते तो रात्री विश्राम कनीना में करते। जहां रात को ही मतदाताओं व कार्यकर्ताओं से मिलकर अटेली-नारनौल सीट के लिए अगले दिन का रोलकाल तैयार करते और जब दिन के समय अटेली हलके में प्रचार करते तो रात्री विश्राम रेवाडी में करते, जहां कार्यकर्ताओं से मिलकर चुनाव की रणनीति तैयार करते। चुनाव की सघन कंपेनिंग के दौरान उन्होंने दिनरात एक कर सभी प्रत्याशियों को विजय दिलाना उनकी रणनीति का अहम हिस्सा रहा। इस कार्य में प्रदेश के पूर्व शिक्ष मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा, पूर्व विधायक सीताराम शर्मा का भी सहयोग रहा। योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने वाले इन राजनेता के सामने विपक्ष के अलावा पार्टी नेताओं की ओर से टांग खिंचाई की घटनाएं सामने सामने आई तो उनका डटकर सामना कर मुहतोड जवाब देना इनकी आदत में शु-मार है। उन्होंने पूर्व सीएम की ओर संकेत करते हुए आपस में लडाने ओर नए-नए नेता उनके द्वारा बनाने की बात कही गई। सीएम अंदरखाते उनका विरोध कर चुनाव कंपेनिंग को कमजोर करना चाहते थे। बहरहाल उनके प्रयासों से दक्षिण हरियाणा की 21 सीटों पर कमल खिलने से उनका राजनीतिक कद बढा है। अटेली हलके से विधायक बनी उनकी पुत्री आरती सिंह राव को मंत्रीमंडल में शामिल करने की चर्चाएं जोर पकडने लगी हैं।

जिलास्तरीय बाल महोत्सव-2024 का आयोजन 14 से 19 अक्टूबर तक

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा 14 अक्टूबर को करेंगे बाल महोत्सव का शुभारंभ

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से जिलास्तरीय बाल महोत्सव-2024 का आयोजन 14 से 19 अक्टूबर तक किया जाएगा। जिला बाल कल्याण परिषद के चेयरमैन एवं उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा द्वारा महोत्सव का शुभारंभ आगामी 14 अक्टूबर को नए बस स्टैंड के नजदीक स्थित स्थानीय बाल भवन सामुदायिक केंद्र नूंह में किया जाएगा। जिला बाल कल्याण अधिकारी सुंदरलाल खत्री ने बताया कि उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस बाल महोत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

बाल महोत्सव जैसे कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास की भावना का भी विकास होता है। उन्होंने बताया कि बाल महोत्सव में प्रथम वर्ग में पहली से पांचवी कक्षा तक, दितीय वर्ग में छठी से आठवीं कक्षा तक, तृतीय वर्ग में नौंवी से दसवीं कक्षा तक व चतुर्थ वर्ग में ग्यारवीं से बारहवीं कक्षा तक की कुल चार वर्गों में 46 प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें समूह नृत्य, एकल नृत्य, क्लासिकल नृत्य, देशभक्ति

समूहगान, एकल गान, एकांकी नाटक, बेस्ट ड्रामेबाज, लड़कियों व लड़कों के फन गेम्स, कार्ड मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, थाली पूजन एवं कलश डेकोरेशन, दीया केंडल डेकोरेशन, पोस्टर मेकिंग, स्कैचिंग आन स्पॉट, डीक्लेमेशन कांटेस्ट, क्विज कांटेस्ट, हिंदी व अंग्रेजी में हस्त लेखन, रंगोली सहित आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए संबंधित स्कूल के प्राधानाचार्य या प्रिंसीपल से रजिस्ट्रेशन व इंट्री प्रोफर्मा भरकर तस्दीक करवा कर पुरानी सब्जी मंडी नूंह के पास स्थित बाल भवन कार्यालय में दिनांक 12 अक्टूबर को सायं 5 बजे तक जमा करवा सकते हैं या कार्यालय की ईमेल- dcwomewat@gmail.com पर भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय बाल महोत्सव की गतिविधियों में प्रथम, दितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता बच्चे मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र होंगे। इसके बाद मंडल स्तर पर प्रथम, दितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता बच्चों को राज्य स्तरीय प्रतियोगताओं में भाग लेने का पात्र माना जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम, दितीय, तृतीय व सांत्वना स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को आगामी 14 नवंबर, 2024 को जिला स्तरीय पारितोषिक वितरण एवं सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तरीय विजेताओं को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि चार ग्रुपों में होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए ग्रुप-एक में पहली से 5वीं कक्षा, ग्रुप-2 में 6वीं से 8वीं कक्षा, ग्रुप-3 में 9वीं से 10वीं कक्षा तथा ग्रुप-4 में 11वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि 14 अक्टूबर को ग्रुप-3 का समूह नृत्य, एकल नृत्य, थाली पूजन एवं कलश सजावट, ग्रुप-1 का एकल नृत्य, क्ले मॉडलिंग, कार्ड मेकिंग, ग्रुप-2 का थाली पूजन एवं कलश सजावट, क्ले मॉडलिंग तथा ग्रुप-4 का थाली पूजन एवं कलश सजावट की प्रतियोगिताएं होंगी।

इसी प्रकार 15 अक्टूबर को ग्रुप-2 का समूह नृत्य, शास्त्रीय एकल नृत्य, एकल नृत्य, स्केचिंग ऑन द स्पॉट, ग्रुप-3 का स्केचिंग ऑन द स्पॉट, ग्रुप-4 का एकल नृत्य, स्केचिंग ऑन द स्पॉट तथा 16 अक्टूबर को ग्रुप-4 का समूह नृत्य, शास्त्रीय एकल नृत्य, पोस्टर मेकिंग, ग्रुप-3 का शास्त्रीय एकल नृत्य, पोस्टर मेकिंग, ग्रुप-2 का पोस्टर मेकिंग, देशभक्ति समूह गान, ग्रुप-1 की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को ग्रुप- 3 की देशभक्ति समूह गान, एकल गायन, ग्रुप-4 की देशभक्ति समूह गान, एकल गायन, ग्रुप-2 की एकल गायन तथा 18 अक्टूबर को ग्रुप-2 की क्विज प्रतियोगिता, ग्रुप-3 की क्विज प्रतियोगिता, लड़के व लड़कियों के फन गेम्स, भाषण तथा ग्रुप-4 की क्विज प्रतियोगिता, वन एक्ट प्ले व थिएटर प्ले, भाषण तथा 19 अक्टूबर को ग्रुप-1 का समूह नृत्य, बेस्ट ड्रामेबाज, हिंदी व अंग्रेजी की हस्त लेखन, ग्रुप-2 की बेस्ट ड्रामेबाज, हिंदी व अंग्रेजी की हस्त लेखन, ग्रुप-3 की रंगोली, ग्रुप-4 की रंगोली की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एडीआर सेंटर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य कोर्ट से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना : जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नूंह सुशील कुमार की अध्यक्षता में वीरवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एडीआर सेंटर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नूंह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में न्यायाधीश, कोर्ट के अधिकारी व कर्मचारी, जिला बार अधिवक्ता, कानूनी सहायता बचाव वकील, पैनल अधिवक्ता और वादकारी आदि के स्वास्थ्य की जांच की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नेहा गुप्ता ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य विभाग, नूंह की तरफ से नेत्र विशेषज्ञ, सामान्य चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, कान, नाक और गला विशेषज्ञों ने भाग लिया और कोर्ट के अधिकारियों व कर्मचारियों स्वास्थ्य परीक्षण किए। शिविर में कान, नाक और गला विशेषज्ञ ने विभिन्न लोगों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श व दवाइयां दी। सामान्य चिकित्सक ने उच्च रक्तचाप, मधुमेह, और सामान्य शारीरिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों का इलाज किया। नेत्र विशेषज्ञ ने आंखों की जांच कर उचित परामर्श दिया। कोर्ट परिसर में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहल और शिविर का मुख्य उद्देश्य कोर्ट से जुड़े लोगों को एक मंच पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।

शिविर के सफल आयोजन के लिए कोर्ट प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शशि चौहान, प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय राजेश कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजली जैन, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पूनम कंवर, वंदना, शताक्षी, डॉक्टर मुकेश कुमार न्यायिक अधिकारी प्रथम श्रेणी आदि ने भी शिविर का दौरा किया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

बम्पर पैदावार के चलते कनीना मंडी में प्रतिदिन हो रही 10 हजार क्विंटल से अधिक बाजरे की खरीद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बाजरे की बंपर पैदावार के चलते कनीना मंडी में प्रतिदिन 10 हजार क्विंटल से अधिक बाजरे की खरीद की जा रही है। ई-खरीद पोर्टल से टोकन लेकर किसान कनीना-अटेली मार्ग स्थित कनीना की नयी आनाज आनाज मंडी चेलावास में पंहुच रहे हैं। जहां बिना कतार में लगे किसान बाजरा बेच रहे हैं। कनीना-अटेली मार्ग पर रेवाडी-बीकानेर रेलवे लाईन पर आरओबी का निर्माण कार्य किये जाने के चलते किसान ग्रामीण लिंक मार्गो से मंडी में जा रहे हैं। बृहस्पतिवार को 11200 क्विंटल बाजरे की खरीद की गई वहीं बुधवार को 10500 क्विंटल बाजरा खरीदा गया। खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि 2625 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे की खरीद की जा रही है। बाजरे की खरीद होने के बाद तीन दिन के अंतराल में किसानों के खाते में पैसे डाले जा रहे हैं। साढे 6 हजार क्विंटल बाजरे का उठान कर पलवल व जींद भेजा जा रहा है। किसान खेत खाली कर रबि फसल की बिजाई की तैयारी करने में जुट गए है। इस मौके पर आढती मनीष गुप्ता, संदीप, बंटी, आदेश कुमार, सतीश कुमार, नरेश कुमार, टिंकू, राधेश्याम, अशोक कुमार, धर्मदत्त उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़ जिले में अब तक 30538 एमटी बाजरे की हुई खरीद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

नारनौल। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रबी फसल की सरकारी खरीद के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर उन्होंने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए पटाखों से होने वाले प्रदूषण के मामलों के लिए भी ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह ने इन दोनों विषय पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसडीएम ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में बाजरे की सरकारी खरीद सुचारू रूप से चल रही है। अभी तक जिला महेंद्रगढ़ में 30538 मैट्रिक टन बाजरे की खरीद हो चुकी है। अब तक 13771 मैट्रिक टन बाजरे का उठान हो चुका है। किसानों का बाजरा न्यूनतम समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। इस मौके पर एसडीएम ने जिला के किसानों से आह्वान किया कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह से साफ करके मंडी में लाएं ताकि मंडी में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने बताया कि इस बार किसानों की सहूलियत के लिए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से गेट पास काटने की सुविधा दी दी गई है ताकि किसानों को लाइन में ना लगना पड़े। किसान पोर्टल के माध्यम से अपने आप भी अपना गेट पास काट सकते हैं। इसके अलावा अनाज मंडी के मुख्य गेट पर भी गेट पास काटने के लिए कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं।

लोहारू नगरपालिका कार्यालय में अपाहिज लोगों के लिए लगाया गया कैम्प

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सी.जे.एम. पवन कुमार व उपमंडल कानूनी सेवा समिति लोहारू के चेयरमैन एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी देवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में सुबे सिंह एडवोकेट व पीएलवी अनिल द्वारा नगरपालिका कार्यालय में अपाहिज़ लोगों को मिलने वाली सुविधाओं के लिए कैम्प में जानकारी दी गई हैं। पैनल अधिवक्ता द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे में और शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कैम्प में उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण लोहारू द्वारा नालसा द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में, घरेलू हिंसा, मोटरयान अधिनियम, पीड़ति क्षतिपूर्ति योजना, मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य एवं अन्य कानूनों के बारे में उपस्थित सभी को विस्तार से विधिक जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक किया ।इस अवसर पर अशोक, मंजू, प्रीति, संजय, राहुल, प्रदीप, सुरेन्द्र आदि मौजूद रहे।

होडल हसनपुर निजी हॉस्पिटल मैं लगाया गया कैम्प

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। हसनपुर चौक के निकट एक निजी हॉसपिटल मैं कुलदीप लगाया गया निशुल्क केम्प जिसमे हड्डी और हेल्थ चेकअप किया गया करीब 150 से ज्यादा मरीजों ने ने लाभ उठाया आपको बता दे की होडल हसनपुर चौक के निकट एक निजी अस्पताल के प्रांगण में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पार्क अस्पताल फरीदाबाद से पहुंची डाक्टरों की टीम ने रोगों की जांच की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्क अस्पताल के अध्यक्ष कर्नल इंद्रवीर सिंह गहलोत मौजूद थे जबकि अध्यक्षता रेडियोग्राफर कुलदीप सिंह ने की। इस मौके पर शिविर में 150 लोगों ने अपने रोग की जांच कराई। हसनपुर चौक के निकट एक निजी अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य जहां शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। शिविर में पार्क अस्पताल से पहुंची डाक्टरों की टीम ने लोगों की हड्डी, नाक, कान, गला व त्वचा से संबंधित रोगों की जांच की। शिविर में 150 मरीजों की जांच की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि गहलोत ने कहा कि लोगों को इस प्रकार के निशुल्क जांच शिविर समय समय पर लगाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य का शरीर स्वस्थ नहीं है तो कुछ भी नहीं है ऐसे निशुल्क केम्प लगते रहने चाहिए जिससे गरीब लोगो को और असहाय लोगो को फायदा मिलता रहे कहते है नर सेवा नारायण सेवा रेडियोग्राफी कुलदीप ने कहा की ऐसे निशुल्क केम्प लगते रहने चाहिए इस मोके पर रेडियोग्राफी कुलदीप ने डाक्टरो को स्मृति चिन्ह भेट किए इस मोके पर राष्ट्रीय स्वमसेवक संघ कार्यकर्ता विष्णु, दुलीचंद, प्रेस परिषद के प्रधान मधुसूदन, ऋषि, डोरीलाल, गौरव, रोशनलाल, चंद्रप्रकाश, दीपक, हरिओम, प्रविन सैनी, महावीर, रत्न चौहान, के अलावा अन्य समाजिक लोग भी मौजूद रहे।

चुनाव हारने पर फूटा पूर्व विधायक का गुस्सा, बेटियों के लिए फ्री 18 बसें की बंद..नए विधायक को दी ये सलाह

महम। हरियाणा के रोहतक जिले के एक पूर्व विधायक चर्चा में हैं। महम सीट से इस बार चुनाव हारने वाले बलराज कुंडू ने बेटियों के लिए मुफ्त बस सेवा बंद कर दी है। हरियाणा जनसेवक पार्टी के सुप्रीमो का कहना है कि अब नए विधायक से बसें चलवाएं। चुनाव हारने के बाद उनका गुस्सा साफ दिख रहा है। कुंडू ने हार के बाद अपने समर्थकों की मीटिंग बुलाई थी, जिसमें इलाके में हार के बाद मंथन किया गया। समर्थकों ने कहा कि कुंडू ने अपने इलाके में फ्री बसें चलवाईं। इसके बाद भी लोगों ने वोट नहीं दिए। समर्थकों ने एक सुर में कहा कि अब स्कूल-कॉलेज और यूनिवर्सिटी में बेटियों को फ्री ले जाने वाली बसों को बंद किया जाए। समाजसेवा का कुंडू को गलत नतीजा मिला है, जिसके बाद सभी 18 बसों को बंद करने का फैसला लिया गया। गौर रहे हजारों छात्राएं प्रतिदिन इन बसों के जरिए आती-जाती थीं। जिसके लिए कोई फीस नहीं ली जाती थी। बसें शुरू करने का मकसद बेटियों की सुरक्षा था। रोहतक से 30-40 किलोमीटर दूर गांवों में ये बसें चलती थीं। एक बस रोजाना 100चरूका सफर तय करती थी। बसें बंद होने के बाद अब छात्राओं को दूसरी सरकारी बसों या ऑटो का सहारा लेकर रोहतक आना पड़ेगा।

हार के बाद उनका मन दुखी- कुंडू

बलराज कुंडू के महम इलाके से रोहतक शहर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए ये बसें चल रही थीं। बेटियों को सुबह घर से बसें लेकर जाती थीं। शाम को बेटियों को वापस घर छोड़ती थीं। कुंडू ने कहा कि हार के बाद उनका मन दुखी है। उन्होंने समाजसेवा को राजनीति के लिए नहीं चुना था। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अब नए विधायक ही बेटियों के लिए बसें चलवाएं।

ष्द्धड्डह्म्द्मद्धद्ध ष्ड्डस्र्ह्द्ध की मंडियों में बाजरे की बंपर आवक, आढ़तियों ने सरकार से उठाई ये मांग

चरखी दादरी। दादरी जिला की तीन मंडियों में बाजरा की बंपर आवक हो रही है। अब तक जहां 70 हजार क्विंटल बाजरा की आवक मंडियों में हो चुकी है, वहीं करीब 5 हजार क्विंटल बाजरा का उठान किया जा चुका है। हैफेड व खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वारा हो रही खरीद के चलते अधिकारियों ने जहां पुख्ता प्रबंधों के बीच बाजरा की खरीद करने की बात कही, वहीं 48 घंटे में किसानों के खातों में पेमेंट भेजने का भी दावा किया है। उधर आढ़तियों ने सरकार से सरसों की बकाया मेपेंट की भी मांग उठाई है। बता दें कि हैफेड व खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वारा दादरी, बाढड़ा व झोझू कलां में बाजरा की खरीद शुरू की है। खरीद एजेंसियों ने अब तक करीब 70 हजार क्विंटल की खरीद कर 5 हजार क्विंटल का उठान कराया है। खरीद अधिकारियों द्वारा किसानों को गेट पास जारी कर बाजरे की आवक दर्ज करवाई जा रही है। वहीं सभी खरीद केंद्रों में जल्द ही खरीद करवा कर जल्द उठान कराने का भरोसा दिया है। खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने खरीफ सीजन की बाजरा फसल का खरीद शेड्यूल एक अक्टूबर से शुरू करने का फैसला किया था। लेकिन मंडियों में जगह की परेशानी के चलते खरीद देरी से शुरू हो पाई। हैफेड मैनेजर अशोक कुमार ने कि खरीद अधिकारियों ने 70 क्विंटल की खरीद कर 5 हजार क्विंटल बाजरे का उठान करवा दिया है। वहीं मंडी आढ़ती एसोसिएशन के महासचिव विनोद गर्ग ने कहा कि इस बार बाजरा उत्पादक क्षेत्र में बंपर उत्पादन की उम्मीद है। मंडियों में खरीद को लेकर आढ़ती संतुष्ट हैं, मगर सरकार द्वारा सरसों की बकाया पेमेंट नहीं की गई है। उन्होंने सरकार से जल्द बकाया पेमेंट की मांग उठाई है।

कैथल में बदमाशों के हौसले बुलंद, 24 घंटे के अंदर बदमाशों द्वारा गोली मारने का दूसरा मामला आया सामने

कैथल। विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद कैथल में बदमाशों के हौसले बुलंद हो गए हैं। 24 घंटे के अंदर बदमाशों द्वारा गोली मारने की घटनाओं से जिले का अपराध का ग्राफ बढ़ गया है। वहीं दोनों वारदातों में एक भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने को लेकर पुलिस की कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

24 घंटों के अंदर दूसरी घटना आई सामने

बता दें कि कल दोपहर भी तीन अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को गोली मारी थी। 24 घंटों के अंदर गोली मारने की यह दूसरी घटना सामने आने से जिससे शहर में दहशत का माहौल बन गया है। हालांकि पुलिस आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कह रही है, परंतु अभी तक भी पुलिस के हाथ खाली हैं। अभी पहले मामले के आरोपी गिरफ्तार भी नहीं हुए थे तो वहीं आज फिर एक 35 वर्षीय महिला को काम पर जाते समय तीन अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी, गोली महिला के सीने में लगी जो शरीर को चीरती हुई आर पार हो गई, जिसको इलाज के लिए कैथल के नागरिक अस्पताल लाया गया, डॉक्टरों द्वारा घायल महिला को फिलहाल प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

डीएसपी बीरभान ने बताया कि घटना सुबह करीब 9 बजे हुई, जहां चीका रोड मलिक नगर निवासी 35 वर्षीय महिला सरोज अपने घर से काम पर जा रहा था, तभी बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाश आए और महिला को गोली मारकर मौके से फरार हो गए। बदमाशों ने महिला को एक गोली मारी जो उसके सीने में लगी है, जिसकी सूचना मिलने के बाद वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। डीएसपी ने बताया कि यह मामला जमीनी विवाद से जुड़ा है। घायल महिला सरोज की ससुराल जींद के माखांड गांव में है, उनकी जमीन नारनौंद में पड़ती है, उस जमीन के झगड़े के बारे में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में केस चल रहा है। महिला का आरोप है कि जमीन की रणजी से चलते उसके पति ने उसको गोली मरवाई है।

हरियाणा में बीजेपी की हैट्रिक की पीछे ये खास वजह, पार्टी पहले भी अपना चुकी यह फॉर्मूला

चंडीगढ़। अपने फैसलों से सभी को चौकाने वाली भारतीय जनता पार्टी के माइक्रो मैनेजमेंट फॉर्मूले से हरियाणा में पहली बार सत्ता की हैट्रिक लगाने में सफल रही है। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा से पहले गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव में भी अपने इस फॉर्मूले से सत्ता विरोधी रुझानों को बदलने में कामयाब रही है। ऐसा ही अब बीजेपी ने हरियाणा में करके दिखाया है। इनमें एक बात और भी है कि इन सभी राज्यों में बीजेपी ने पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। अगर विश्लेषण करें तो इन सभी राज्यों के लिए पार्टी ने जो रणनीति अपनाई उसमें कुछ चीजें एक जैसी रहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में कहा था कि यहां भी मध्य प्रदेश की तरह भाजपा जीत दर्ज करने जा रही है।

नेतृत्व में बदलाव किया

मध्य प्रदेश को छोड़कर चुनाव से ठीक पहले बीजेपी ने गुजरात, उत्तराखंड और हरियाणा में मुख्यमंत्री बदल दिया था। मार्च 2022 में उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव हुए थे। पार्टी ने दो जुलाई, 2021 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को अपने पद से इस्तीफा देने को कहा। इसके अगले दिन पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यानी धामी को चुनाव से केवल नौ महीने पहले ही मुख्यमंत्री बनाया गया।

दिसंबर, 2022 में गुजरात के विधानसभा चुनाव हुए। पार्टी ने यहां करीब एक साल पहले राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से इस्तीफा लेकर भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा ने यही फार्मूला हरियाणा में भी उपयोग किया। पार्टी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल से इस्तीफा दिलाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। नायब चुनाव से लगभग 200 दिन पहले मुख्यमंत्री बने। इससे पार्टी सत्ता विरोधी लहर को शांत करने में सफल रही और इन सभी राज्यों में सत्ता बचाने में कामयाब भी रही।

सीए के बाद प्रदेश अध्यक्ष भी बदला

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री बदलने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को भी बदल दिया। लोकसभा चुनावों में पांच सीट गंवाने के बाद भी भाजपा अपनी रणनीति पर कायम रही और चुनावों के बाद ओमप्रकाश धनखड़ जैसे बड़े चेहरे को प्रदेशाध्यक्ष के पद से हटाकर सोनीपत से लोकसभा चुनाव हारने वाले नए चेहरे मोहन लाल बड़ौली को हरियाणा में पार्टी की कमान सौंपी। हालांकि बीजेपी के इस फैसले ने सभी को चौंका दिया था कि मुख्यमंत्री के बाद प्रदेश अध्यक्ष को बदलना किसी की समझ में नहीं आया।

जिताऊ उम्मीदवारों को टिकट

भाजपा ने गुजरात से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा तक जिताऊ उम्मीदवारों को ही टिकट दिया। ऐसा करते समय पार्टी ने बड़े से बड़े नेता का टिकट काटने में भी संकोच नहीं किया। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से जारी 160 उम्मीदवारों की सूची में करीब 33 विधायकों के टिकट काट दिए थे। इनमें कई बड़े नाम भी शामिल रहे। इसी तरह उत्तराखंड में पहली सूची में 11 और मध्य प्रदेश में 29 विधायकों को फिर से टिकट नहीं दिया था। हरियाणा में भी पार्टी ने इस फार्मूले को अपनाया और 16 विधायकों के टिकट काट दिए। इनमें कई दिग्गज शामिल थे।

भीष्म पितामह की काटी टिकट

विधानसभा के उम्मीदवार घोषित करते समय पार्टी के कद्दावर नेता प्रो. रामबिलास का टिकट काटकर कंवर सिंह यादव के रूप में एक नए चेहरे को राव दान सिंह जैसे बड़े नेता के सामने महेंद्रगढ़ से चुनाव मैदान में उतारा। कुछ निवर्तमान विधायकों की टिकट काटे को कुछ की सीट बदली। खास बात यह रही कि जिन सीटों पर भाजपा ने बदलाव का दांव खेला, वहां-वहां भाजपा कमल खिलाने में कामयाब रही।

नए चेहरों पर भरोसा

विधानसभा चुनावों में भाजपा की रणनीति ज्यादा से ज्यादा नए चेहरे उतारने की होती है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए जब पहली सूची जारी की तो पार्टी की ओर से 21 नए चेहरों को मौका दिया गया। इसी तरह पार्टी ने मध्य प्रदेश से लेकर उत्तराखंड और अब हरियाणा में भी कई नए चेहरों को मैदान में उतारा है।

बीजेपी ने बदले ये चेहरे

नायब सैनी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद मनोहर लाल की सीट करनाल से चुनाव लड़ा और विधायक बने। भाजपा ने बिना किसी झिझक के नायब सैनी की सीट बदलकर विधानसभा चुनाव में उन्हें लाडवा से उम्मीदवार बना दिया। इसके बाद दूसरा बड़ा फैसला लेते हुए प्रदेश में भाजपा के भीष्म पितामह कहे जाने वाले प्रो. रामबिलास शर्मा की महेंद्रगढ़ से टिकट काटकर हुड्डा समर्थक एवं कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में शुमार राव दान सिंह के सामने नए चेहरे कंवर सिंह यादव को मैदान में उतारकर सभी को आश्चर्यचकित किया। करीब दो दशक बाद भाजपा में वापसी करने वाले नारनौंद के निवर्तमान विधायक रामकुमार गौतम की सीट बदलकर उन्हें सफीदों भेज दिया।

मनोहर सरकार वन में कैबिनेट मंत्री रही कविता जैन की सोनीपत से टिकट काटकर लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा में आए सोनीपत के मेयर निखिल मैदान को अपना उम्मीदवार बना दिया। नायब सरकार में मंत्री बने संजय सिंह की जगह सोहना से तेजपाल तंवर को अपना उम्मीदवार बनाया। विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा को नलवा से बरवाला भेजा और नलवा में नए चेहरे रणधीर पनिहार को अपना उम्मीदवार बना दिया। मनोहर सरकार वन का पार्ट रहे कृष्ण बेदी को शाहबाद से नरवाना से आरक्षित सीट से मैदान में उतारा।

बढ़ी सीटों की संख्या

गुजरात, मध्य प्रदेश और हरियाणा में लगातार कई सालों से सत्ता में होने के बावजूद भाजपा ने न केवल सत्ता विरोध को दबाया बल्कि पिछले चुनावों से अधिक सीटें लेकर जीत दर्ज की। गुजरात में 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 182 में 156 सीटें जीतीं जो 2017 के चुनाव से 57 अधिक थीं। इसी तरह मध्य प्रदेश में 2023 में हुए चुनाव में पार्टी ने 230 में से 163 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, इससे पहले 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में 109 ही सीटों पर जीती थी। अब हरियाणा में भी पार्टी ने पिछले चुनाव के मुकाबले अपनी सीटों में इजाफा किया है। 2019 में बीजेपी हरियाणा में केवल 40 सीट ही जीत पाई थी, जबकि 2024 के इस चुनाव में बीजेपी ने अकेले अपने दम पर 48 सीट पर जीत हासिल की, जोकि 2014 की संख्या से भी अधिक है।

कांग्रेस तब-तब सत्ता में लौटी, जब प्रदेश अध्यक्ष मजबूत चेहरे थे...

चंडीगढ़। कांग्रेस के जानकारों का कहना है कि विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस तब-तब सत्ता में लौटी, जब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मजबूत चेहरे थे। 1990 में चौधरी बीरेंद्र सिंह राजीव गांधी के कार्यकाल में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष का काम देख रहे थे। 1991 में कांग्रेस सत्ता में लौटी तथा तब भजनलाल मुख्यमंत्री बने। राजीव गांधी का निधन हो जाने की वजह से चौधरी बीरेंद्र सिंह मुख्यमंत्री बनने से रह गए और उन्हें ट्रेजडी किंग का नाम मिला।

2003 में हरियाणा कांग्रेस की कमान भजनलाल को दी गई। 2004 में हरियाणा कांग्रेस के 67 विधायक चुने गए और कांग्रेस फिर से सत्ता में वापस लौटी। उस समय कांग्रेस आला कमान ने भजनलाल को मुख्यमंत्री नहीं बनाया और चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री पद मिला। वर्तमान में कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर चौधरी उदयभान हैं। उदयभान को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनवाने में नेता प्रतिपक्ष रहे चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा का अहम रोल रहा है।

कांग्रेस को जानने वाले बताते हैं कि अगर हुड्डा खुद प्रदेश अध्यक्ष बनते तो विधानसभा चुनाव में ज्यादा सार्थक परिणाम ला सकते थे। कांग्रेस की हार के प्रमुख कारणों में कांग्रेस के भीतर कोई मजबूत गैर जाट नेता का होना भी एक कारण माना जा सकता है। वर्तमान में कांग्रेस के पास थानेसर से विधायक चुने गए अशोक अरोड़ा एक बड़ा नाम और चेहरा है। मगर उन्हें कांग्रेस में कोई भी जिम्मेदारी परोक्ष रूप में नहीं मिली हुई है।

हरियाणा कांग्रेस में गुटबाजी सदैव हावी रही है। पिछले करीब 12 साल से हावी गुटबाजी के चलते कांग्रेस में अभी तक जिला स्तर पर कोई संगठन नहीं बन पाया है। हरियाणा कांग्रेस में व्यक्तिवाद की राजनीति ज्यादा है। हरियाणा कांग्रेस में पिछले 12 सालों से जो भी प्रभारी बनाए गए, उनकी भी इसमें भूमिका रही है। हरियाणा कांग्रेस गुलाबी तथा लाल पगड़ियों तक अतीत में भी सीमित होकर रह चुकी है। कांग्रेस में टांग खिंचाई का इतिहास कोई नया नहीं है।

कांग्रेस के दिग्गज पुत्रवाद तथा वंशवाद में सदैव ही उलझे रहे हैं। बंसीलाल अपने पुत्र सुरेंद्र सिंह को कांग्रेस में मजबूत नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास करते रहे। एक बार उन्हें कांग्रेस छोड़कर हरियाणा विकास पार्टी भी बनानी पड़ी। भजनलाल भी अपने पुत्र चंद्रमोहन और कुलदीप बिश्नोई को राजनीति में स्थापित कर कर गए। भजनलाल को भी कांग्रेस से अलग होकर हरियाणा जनहित कांग्रेस बनानी पड़ी थी। अब यहीं क्रम भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने पुत्र दीपेंद्र हुड्डा को स्थापित कर करने में लगे हैं।

जनता का तमाचा: बस इतने ही वोट पड़े बिट्टू बजरंगी को?

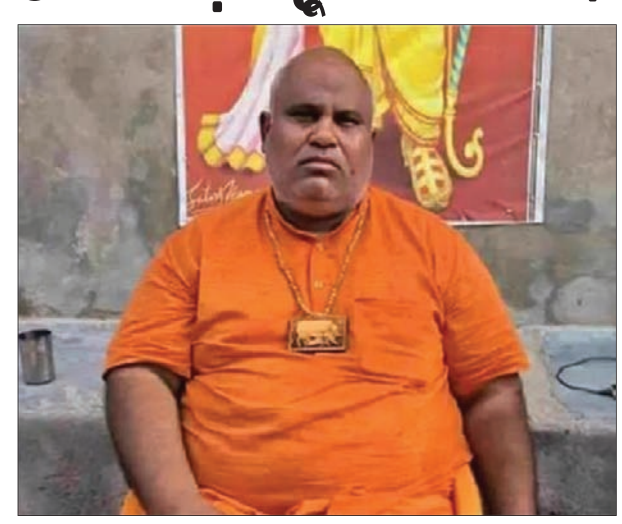

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के आने के बाद कईयों के सपनों को बड़ी ठेस पहुंची है। इसी बीच जानकारी सामने आई कि फरीदाबाद-एनआईटी विधानसभा सीट से नूंह हिंसा के आरोपी और स्वघोषित गौरक्षक राजकुमार उर्फ बिट्टू बजरंगी जो कि निर्दलीय प्रत्याशी थे की जमानत जब्त हो गई है। उन्हे केवल 288 वोट पड़ेंगे।

बीजेपी के सतीश फागना ने फरीदाबाद-एनआईटी सीट पर 91992 वोटों से निर्दलीय प्रत्याशी बिट्टू बजरंगी को 91704 वोटों से हराया है। बिट्टू बजरंगी को महज 288 वोट मिले और सातवें नंबर पर रहे, इसलिए उसकी जमानत भी जब्त हो गई। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के नीरज शर्मा रहे, जिन्हें 58775 वोट मिले।

गौर रहे कि हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले, बिट्टू बजरंगी ने बीजेपी प्रत्याशी सतीश फागना को अपना समर्थन दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सतीश फागना के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वे सीएम योगी के सम्मान में अपने कदम पीछे हटा रहे हैं।

जानिए कौन है बिट्टू बजरंगी?

वहीं आपको बता दें कि फरीदाबाद र्वतीय कॉलोनी निवासी बिट्टू बजरंगी का असली नाम राजकुमार है जोकि स्वयं को हनुमान का बड़ा भक्त बताता है। इन्हीं कारणों से उन्हें लोग बजरंगी के नाम से पुकारने लगे। गोरक्षा के नाम वे सदैव सक्रिय रहते थे। उसके खिलाफ कई मामले भी दर्ज हैं। बिट्टू बजरंगी ने गोरक्षा बजरंग फोर्स नामक संगठन भी बनाया हुआ है।

सीएम के दावे पर बोले गब्बर: हाईकमान ने जिम्मेदारी दी तो प्रदेश को बनाएंगे नंबर-1, ईवीएम गड़बड़ी पर कांग्रेस पर कसा तंज

अंबाला। अंबाला कैंट से सातवीं बार विधायक बनने के बाद अनिल विज के तेवर कुछ अलग ही नजर आ रहे हैं। उन्होंने आज अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस हार गई है अब अपनी हार का संस्कार वो कैसे करते हैं यह उनके ऊपर है। वो जलाकर करते हैं या दबाकर करते हैं, जैसे भी करना है करें हार तो वो चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग में जाने के मामले पर विज ने कहा कि इसमें कुछ नहीं निकलने वाला, भाजपा जीत चुकी है और भाजपा की सरकार चंद दिनों में बनने जा रही है। अंबाला में माहौल को लेकर विज ने कहा कि काम तो कभी खत्म नहीं होते वह तो निरंतर चलते रहते हैं। कुतुब मीनार एक दिन में नहीं बनी, अब यह तो मूर्ख हैं, अब उनकी बुद्धि के ज्ञान का कोई कैप्सूल होगा तो लाऊंगा। हमने तो चुनाव जीतने के एक दिन बाद से ही विकास कार्यों पर काम शुरू कर दिया। सात बार मैं जीत चुका हूं आठवीं बार मैंने अब जीतने की तैयारी शुरू कर दी है। मैं शहीदी स्मारक देखकर आया हूं और सभी को कहा है कि पूरी गति से साथ काम शुरू करें। मैंने दीपावली से पहले-पहले एयरपोर्ट से जहाज उड़ाने को कहा है। वहीं सीएम पद को लेकर विज ने कहा कि अभी उनकी किसी से बात नहीं चल रही है। जब पार्टी बात करेगी तब उनकी भी बात सुनेंगे और अपनी भी करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने पूरे चुनाव में जिम्मेदारी निभाई है। सभी चित्त हो गए थे मैंने ही मोराल बूस्ट कर के रखा।

मैं हरियाणा को नंबर वन बनाने का काम करूंगा- अनिल विज

मैंने हर मुकाम पर यह बात की कि भाजपा ही अपने दम पर सरकार बनाएगी। एग्जिट पोल को भी मैंने नकारा, जिस दिन रुझान आए उस दिन कांग्रेस का हैड ऑफिस बैंडों से भरा पड़ा था तब भी मैंने कहा था कि भाजपा की सरकार आएगी। मैं राजनैतिक पंडित हूं, जनता की नब्ज जानता हूं। मैंने कभी सीएम बनाने को लेकर नहीं कहा हां, अगर पार्टी विचार करती है तो मैं हरियाणा को नंबर वन बनाने का काम करूंगा।

एक साथ हारी देवीलाल परिवार की तीन पीढ़ियां, विधानसभा पहुंचे परिवार के दो युवा

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा की ही तरह 2024 के विधानसभा चुनावों के परिणाम भी आश्चर्य जनक रहे। देवीलाल की राजनीतिक विरासत के वारिस रहे ओमप्रकाश चौटाला के परिवार में 2019 में बिखराव हुआ तथा अजय की अगुवाई में दुष्यंत ने जननायक जनता पार्टी बना ली। दुष्यंत की अगुवाई में 2019 में अलग होने के बाद पहला विधानसभा चुनाव लड़ा और 10 सीटें जीतकर दुष्यंत मनोहर सरकार में डिप्टी सीएम बने। मार्च में मनोहर की जगह नायब सैनी को प्रदेश की सत्ता सौंपने के साथ भाजपा ने दुष्यंत को भी गठबंधन सरकार से अलग कर दिया।

2019 में उचाना से बांगर के शेर कहे जाने वाले बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेमलता को हराकर विधानसभा पहुंचे, दुष्यंत 2024 में उचाना से अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। 2024 के चुनाव में देवीलाल परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ चुनाव हारी, हालांकि दो युवा चेहरे पहली बार विधानसभा पहुंचने में सफल रहे।

जिनमें भाजपा छोड़कर इनेलो में आए डबवाली से आदित्य देवीलाल चौटाला व रानिया से अभय चौटाला के बेटे अर्जुन चौटाला ने जीत दर्ज की। जबकि उचाना से दुष्यंत चौटाला अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। अर्जुन चौटाला ने देवीलाल के बेटे व अपने दादा रणजीत चौटाला तो आदित्य ने देवीलाल परिवार के सदस्य अमित सिहाग को हराया। देवीलाल परिवार से चुनाव हारने वालों में दिग्विजय चौटाला, सुनैना चौटाला का नाम भी शामिल है।

राजनीतिक घरानों को मतदाताओं ने नकारा

2024 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश के बड़े राजनीतिक घरानों को प्रदेश की जनता ने नकार दिया। 2024 के चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री देवीलाल, भजनलाल, ओमप्रकाश चौटाला, बंसीलाल, राव बीरेंद्र सिंह के परिवार चुनाव लड़ रहे थे, जिनमें से तोशाम से बंसीलाल की पौत्री ने भाजपा की टिकट पर अपने कजिन कांग्रेस उम्मीदवार अनिरुद्ध चौधरी को हराया। पहली बार भाजपा की टिकट पर चुनाव मैदान में उतरी राव बीरेंद्र सिंह की पौत्री एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव चुनाव जीतने में सफल रही।

उचाना में बांगड़ के शेर चौ. बीरेंद्र सिंह व देवीलाल परिवार को एक साथ हार का मुंह देखना पड़ा। यहां भाजपा की टिकट पर पहली बार चुनाव मैदान में उतरे देवेंद्र अत्री ने चौ. बीरेंद्र सिंह के बेटे कांग्रेस उम्मीदवार एवं हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को 39 वोटों से हरा दिया। यहां देवीलाल के परिवार से तीसरी बार चुनाव मैदान में उतरे दुष्यंत चौटाला 10 हजार का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल का गढ़ आदमपुर भी 2024 में ढह गया तथा भजनलाल के पौत्र एवं भाजपा उम्मीदवार भव्य बिश्नोई पहली बार चुनाव में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व आईएएस चंद्रप्रकाश में 565 वोटों से चुनाव हार गए। हालांकि, पंचकूला से भजनलाल के बेटे एवं पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन कांग्रेस की टिकट पर जीतने में सफल रहे। 2024 में पूर्व मुख्यमंत्रियों व बड़े राजनीतिक घरानों के डेढ़ दर्जन से अधिक सदस्य चुनाव लड़ रहे थे। बंसीलाल और राव बीरेंद्र सिंह को छोड़ दे तो सभी को हार का मुंह देखना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कोरिया के किम ने दक्षिण कोरिया, अमेरिका के खिलाफ परमाणु हमले की फिर से धमकी दी

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि वह

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ संभावित संघर्ष में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। किम ने दोनों देशों पर उत्तर कोरिया को युद्ध के लिए उकसाने और कोरियाई प्रायद्वीप में दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। किम पहले भी कई बार इस तरह की धमकी दे चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि किम की ये हालिया चेतावनी अमेरिका में अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उत्तर कोरिया द्वारा दुश्मनी को बढ़ावा देने के इरादे से दी गई है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, किम जोंग उन ने अपने नाम पर बने विश्वविद्यालय ''किम जोंग उन यूनिवर्सिटी ऑफ नेशनल डिफेंस'' में सोमवार को अपने संबोधन में कहा कि अगर उत्तर कोरिया के खिलाफ सशस्त्र बलों का उपयोग करने का प्रयास किया जाता है तो उत्तर कोरिया ''बिना किसी हिचकिचाहट के अपने शत्रुओं के खिलाफ अपनी सारी आक्रामक क्षमताओं का उपयोग करेगा।'' उन्होंने कहा, ''इस स्थिति में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इनकार नहीं किया जा सकता है।'' अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों के उपयोग का प्रयास किम सरकार के पतन का कारण बनेगा।

नाइजीरिया में नाव दुर्घटना के बाद 11 लोगों को बचाया गया, 21 लापता

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के दक्षिण-पश्चिमी राज्य लागोस में दो नावों के टकराने से बड़ा हादसा हो गया जिसमें 11 घायल व्यक्तियों को बचाया गया है और 21 अन्य अभी भी लापता हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार को लागोस में पुलिस प्रवक्ता बेंजामिन हुंडेयिन ने बताया कि 16 यात्रियों और चालक दल को ले जा रही दो नौकाएं सोमवार रात को अमुवो-ओडोफिन स्थानीय सरकारी क्षेत्र के इमोर शहर में टकराने के बाद लैगून के बीच में पलट गईं। हुंडेयिन के अनुसार, पीड़ितों में ज्यादातर व्यापारी थे। उन्होंने बताया कि आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम, जिसमें पारंपरिक और समुद्री पुलिस तथा स्थानीय गोताखोर शामिल थे, तेजी से मौके पर पहुंची और 11 घायल यात्रियों को बचाया गया। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हुंडेयिन ने कहा कि अन्य पीड़ितों का पता नहीं चल सका, बचाव अभियान जारी है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है। आपको बताते चलें, नाइजीरिया में नाव दुर्घटनाएं आम होती जा रही हैं, जो अक्सर अधिक भार, प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों और संचालन में गलतियों के कारण होती हैं।

स्विट्ज़रलैंड में बांग्लादेश सरकार के खिलाफ उठी आवाज, प्रवासी बांग्लादेशियों की मांग- शेख हसीना को लाओ वापस

जेनेवा, एजेंसी। बांग्लादेशी प्रवासी समुदाय ने स्विट्ज़रलैंड के जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र के सामने ब्रोकन चेयर के पास एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। यह आयोजन इंटरनेशनल फोरम फॉर सेक्युलर बांग्लादेश द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका शीर्षक था 5 अगस्त के बाद: मानवता के खिलाफ अपराध और खुलेआम मानवाधिकारों का उल्लंघन। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और देश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने मौजूदा सरकार, जिसका नेतृत्व मोहम्मद युनूस कर रहे हैं, के खिलाफ बैनर और पर्चे लेकर विरोध किया। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन, जेनेवा के अध्यक्ष रहमान खलील उर रहमान ने कहा, हम बांग्लादेशी प्रवासी समुदाय के लोग संयुक्त राष्ट्र के सामने युनूस सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए खड़े हुए हैं, जो इस्लामी कट्टरपंथ पर निर्भर है। बांग्लादेश अब धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक नहीं रहा; यह इस्लामी चरमपंथ और आतंकवाद की ओर बढ़ रहा है। जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में इस पर कई रिपोर्टें आ सकती हैं। रहमान ने बांग्लादेश में बिगड़ते हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, शेख हसीना जल्द ही सत्ता में लौटेंगी, क्योंकि देश विनाश के कगार पर है। हर दिन, लेखकों और मानवाधिकार रक्षकों की निर्मम हत्या और यातना की खबरें आ रही हैं। हम आपसे युनूस सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने का आग्रह करते हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभक्ति का माहौल था, क्योंकि प्रतिभागियों ने देश का राष्ट्रीय गान गाया और अपने देश और नेताओं के प्रति गहरा लगाव व्यक्त किया।

नेपाल में विश्व की सातवीं सबसे ऊंची चोटी से फिसलकर 5 रूसी पर्वतारोहियों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विश्व की सातवीं सबसे ऊंची चोटी 'माउंट धौलागिरी से फिसल जाने से पांच रूसी पर्वतारोहियों की मौत हो गई है। पर्वतारोही अभियान संचालित करने वाले एक आयोजक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूसी पर्वतारोही नेपाल के शरदकालीन पर्वतारोहण सत्र के दौरान 8,167 मीटर ऊंचे माउंट धौलागिरी शिखर के लिए चढ़ाई चढ़ रहे थे। काठमांडू स्थित 'आई एएम ट्रैकिंग एंड एक्सपीडिशन के पेम्बा जंगबू शेरपा ने बताया कि ये पर्वतारोही रविवार से लापता थे और मंगलवार को राहत बचाव के लिए निकले एक हेलीकॉप्टर ने उनके शव देखे। शवों को माउंट धौलागिरी से नीचे कब और कैसे लाया जाएगा, यह अभी तय नहीं हो सका है।

हिजबुल्ला को मिले नए कमांडर, इजरायल को दे दी धमकी; कई शहर निशाने पर

बेरूत, एजेंसी। हिजबुल्ला के कार्यकारी नेता शेख नईम कासिम ने धमकी दी है कि इजरायल के और नागरिकों को विस्थापित होना पड़ेगा क्योंकि उसका समूह इजरायल के भीतरी इलाकों को निशाना बनाते हुए रॉकेट दाग रहा है। कासिम ने मंगलवार को टेलीविजन पर एक बयान जारी किया। कासिम ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब हिजबुल्ला द्वारा इजरायल को निशाना बनाते हुए किए जा रहे हमलों को आज एक वर्ष पूरा हो गया है। हिजबुल्ला ने आठ अक्टूबर, 2023 को उत्तरी इजरायल में रॉकेट दागना शुरू किया था।

कासिम ने कहा कि उसके समूह की सैन्य क्षमताएं अभी भी बरकरार हैं और उसने लेबनान के एक बड़े हिस्से पर कई सप्ताह तक इजरायल के हवाई हमलों के बाद अपने वरिष्ठ कमांडरों की जगह नए कमांडर नियुक्त कर दिए हैं। इजरायल के इन हमलों में लेबनान के शीर्ष कमान के अधिकांश सदस्य मारे गए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले सप्ताह लेबनान में जमीनी अभियान शुरू करने के बाद इजरायली सेना आगे नहीं बढ़ पाई है। इजरायली सेना ने कहा है कि अब चौथी डिवीजन जमीनी अभियान में हिस्सा ले रही है, जो पश्चिम की ओर फैल गया है। हालांकि अभियान अभी भी सीमा के साथ लगी एक संकरी पट्टी तक ही सीमित नजर आ रहा है। इजरायली सेना का कहना है कि उसने सीमा पर आतंकवादी ढांचे को नष्ट कर दिया है और हिजबुल्ला के सैकड़ों लड़ाकों को मार गिराया है। मंगलवार को उसने कहा कि बेरूत में एक हमले में सुहैल हुसैनी मारा गया। इजरायली सेना ने हुसैनी को हिजबुल्ला समूह के रसद, बजट और प्रबंधन की देखरेख करने वाला एक वरिष्ठ कमांडर बताया। हिजबुल्ला की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई, तथा दोनों पक्षों द्वारा युद्ध को लेकर किये गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करने का कोई तरीका नहीं है। कासिम ने एक वीडियो संबोधन में कहा, 'हम सैकड़ों रॉकेट और दर्जनों ड्रोन दाग रहे हैं। बड़ी संख्या में बस्तियां और शहर हमारी जवाबी कार्रवाई के निशाने पर हैं। हमारी क्षमताएं मजबूत हैं और हमारे लड़ाके अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।' उन्होंने कहा कि हिजबुल्ला का शीर्ष नेतृत्व युद्ध की रणनीति तय कर रहा है और इजरायली हमले में जो कमांडर मारे गए हैं, उनकी जगह नए कमांडर नियुक्त कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे यहां कोई पद रिक्त नहीं है।'' उन्होंने कहा कि हसन नसरल्लाह की जगह लेने के लिए हिजबुल्ला एक नए नेता का नाम तय करेगा, ''हालांकि युद्ध के कारण परिस्थितियां कठिन हैं।'' हसन नसरल्लाह पिछले महीने बेरूत में एक भूमिगत अड्डे में इजरायली हवाई हमले में मारा गया था। इजरायली सेना ने कहा कि मंगलवार को लेबनान से उत्तरी इजरायल की ओर 85 मिसाइल दागी गईं। इजरायली सेना ने कहा कि इजरायल की हवाई रक्षा ने अधिकांश रॉकेट को नष्ट कर दिया। 70 वर्षीय एक महिला छर्रे लगने से मामूली रूप से घायल हो गई और इजरायली मीडिया ने तटीय शहर हाइफा के पास इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचने की फुटेज प्रसारित की। इजरायली सेना ने यह भी कहा कि उसने दक्षिणी बेरूत उपनगरों में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला किया, जिसे दहियाह के नाम से जाना जाता है, जहां समूह का मुख्यालय है। हिजबुल्ला ने आठ अक्टूबर, 2023 को उत्तरी इजरायल में रॉकेट दागना शुरू किया था। उससे एक दिन पहले गाजा से इजरायल में हमास के आश्चर्यजनक हमले ने युद्ध को भड़का दिया था। हिजबुल्ला और हमास दोनों ईरान के सहयोगी हैं और हिजबुल्ला का कहना है कि उसके हमले का उद्देश्य फलस्तीनियों की सहायता करना है। लेबनानी चरमपंथी समूह ने कहा है कि अगर गाजा में संघर्ष विराम होता है तो वह हमले रोक देगा, लेकिन उस मोर्चे पर महीनों के कूटनीतिक प्रयास बार-बार अवरूद्ध हुए हैं। इजरायल ने हाल के हफ्तों में हिजबुल्ला के खिलाफ़ कई हमले किए हैं और कहा है कि वह तब तक लड़ता रहेगा जब तक कि हजारों विस्थापित इजरायली नागरिक उत्तर में अपने घरों को वापस नहीं लौट जाते। सितंबर के मध्य में शुरू हुई लड़ाई में लेबनान में 1,300 से अधिक लोग मारे गए हैं और 10 लाख से ज़्यादा लेबनानी विस्थापित हो गए हैं। तब से, हिजबुल्ला रॉकेट से मध्य इजरायल को निशाना बना रहा, जिससे देश के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने लगे हैं। यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों ने भी मिसाइल दागी हैं जो मध्य इजरायल तक पहुंची हैं। अधिकांश मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया है या ये खुले क्षेत्रों में गिरी हैं। हालांकि इससे इजरायल में जीवन बाधित हुआ है, लेकिन कुछ लोग हताहत हुए हैं और संपत्ति को थोड़ा नुकसान हुआ है।

बाइडेन ने इजरायली सैनिकों के राफा में घुसने के बाद नेतन्याहू को झूठा कहा

तेल अवीवी, एजेंसी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, बाइडेन और नेतन्याहू के बीच उनके कार्यकाल के दौरान संबंध

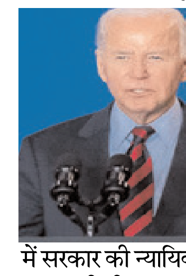

काफी खराब रहे हैं. हालांकि दोनों दशकों से एक-दूसरे को जानते हैं, लेकिन व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री की ओर से 2022 के अंत में उग्र दक्षिणपंथी लोगों के साथ गठबंधन बनाने की तीखी आलोचना की थी और 2023 में सरकार की न्यायिक सुधार योजनाओं के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की थी.

बाइडेन युद्ध के समय में इजराइल का दौरा करने वाले इतिहास के पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने, 18 अक्टूबर, 2023 को तेल अवीव पहुंचे और देश और उसके लोगों के साथ गहरी एकजुटता व्यक्त की. लेकिन पिछले एक साल में, दोनों नेताओं ने युद्ध से निपटने के नेतन्याहू के तरीके और चल रही बंधक वार्ताओं को लेकर सार्वजनिक और निजी तौर पर मतभेद प्रदर्शित की है. इजराइल के राफा में प्रवेश करने के बाद, बाइडेन ने नेतन्याहू के बारे में कहा कि वह एक झूठा व्यक्ति है. वुडवर्ड के अनुसार, बाइडेन ने निजी तौर पर अपशब्द का प्रयोग करते हुए कहा कि नेतन्याहू एक बुरा आदमी है. वह एक बुरा आदमी है! पोलिटिको ने सबसे पहले रिपोर्ट की थी कि बाइडेन ने फरवरी में नेतन्याहू के बारे में बात करने के लिए इस वाक्यांश का उपयोग किया था, लेकिन व्हाइट हाउस ने तुरंत इनकार कर दिया. अप्रैल में, इजराइल ने सीरिया के दमिश्क में एक ईरानी वाणिज्य दूतावास में दो क्रांतिकारी गार्ड जनरलों की कथित तौर पर हत्या कर दी. अमेरिका और अन्य सहयोगियों द्वारा ईरान द्वारा जवाब में दागी गई अधिकांश मिसाइलों को रोकने में इजराइल की मदद करने के बाद, बाइडेन ने नेतन्याहू से जवाब देने से परहेज करने का आग्रह किया. वुडवर्ड की पुस्तक के अनुसार, बाइडेन ने ईरानी हमले के लिए इजराइल की सीमित प्रतिक्रिया को एक सफलता माना. बाइडेन ने कथित तौर पर सलाहकारों से कहा कि मुझे पता है कि वह कुछ करने जा रहा है, लेकिन मैं इसे सीमित करने का तरीका यह है कि उसे कुछ भी न करने के लिए कहूं. जुलाई में, इजराइल ने बेरूत में हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर फुआद शुक्र को मार डाला.

समुद्री तूफान तबाही मचाने को तैयार, मूसलाधार बारिश के साथ तूफानी हवाओं का खतरा

फ्लोरिडा, एजेंसी। मैक्सिको की खाड़ी में उठा सदी का सबसे बड़ा समुद्री तूफान मिल्टन, आज अमेरिका के फ्लोरिडा और टैम्पा के तट से टकराने वाला है। नेशनल हरिकेन सेंटर ने इस तूफान को कैटेगरी-5 का बताया है, जो 250 से 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं और मूसलाधार बारिश के साथ तबाही मचा सकता है। इसके कारण समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं, और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। इस विनाशकारी तूफान से करीब 5 करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित होने की संभावना है। सरकारी एजेंसियों ने इमरजेंसी लागू कर दी है, और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम जारी है। तूफान फ्लोरिडा और टैम्पा को क्रॉस करने के बाद अटलांटिक महासागर में चला जाएगा। अटलांटिक महासागर की ओर बढ़ते मिल्टन तूफान ने मैक्सिको की खाड़ी में अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है, जिससे अमेरिका के फ्लोरिडा और अन्य तटीय राज्यों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, समुद्र से उठ रही 15 फीट ऊंची लहरों और 18 इंच तक बारिश के साथ तूफानी हवाओं का खतरा मंडरा रहा है, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान होने की आशंका है। फ्लोरिडा के गवर्नर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 51 काउंटियों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए।

1973 इजरायल-अरब युद्ध के बाद उत्तरी सिनाई में फिर से शुरू होगी रेल सेवा

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के उत्तरी सिनाई में आधी सदी से भी अधिक समय बाद फिर से रेल सेवा शुरू होगी। यहां 100 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग का ट्रायल ऑपरेशन शुरू हो गया है। मिस्र के परिवहन और उद्योग मंत्री कामेल अल-वजीर ने उद्घाटन समारोह में कहा, इस लाइन के शुरू होने से सिनाई से अन्य प्रांतों तक लोगों और माल की आवाजाही आसान हो जाएगी, नए शहरी इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, उत्तरी सिनाई में आर्थिक परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अल-फरदान-बीर अल-अब्द लाइन सिनाई प्रायद्वीप में रेल संपर्क को आधुनिक बनाने और विस्तार देने के उद्देश्य से एक बडे प्रोजेक्ट का पहला चरण है। मिस्र के परिवहन और उद्योग मंत्रालय ने अल-फरदान को ताबा से जोड़ते हुए लाइन को लगभग 500 किलोमीटर तक विस्तारित करने की घोषणा की। मिस्र एक व्यापक आर्थिक सुधार कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अपने परिवहन बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए काम कर रहा है।

1973 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद क्षेत्र में संघर्ष और सैन्य अभियानों के कारण सिनाई में ट्रेन सेवाएं काफी हद तक निलंबित कर दी गई थीं। बता दें 1973 अरब-इजरायल युद्ध को योम किप्पुर युद्ध, रमजान युद्ध, जैसे नामों से भी जाना जाता है। युद्ध के दौरान ज्यादातर लड़ाई सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स में हुई जिस पर 1967 में इजरायल ने कब्जा कर लिया था। कुछ लड़ाई मिस्र और उत्तरी इजरायल में भी हुई।

युद्ध 6 अक्टूबर 1973 को शुरू हुआ, जब अरब गठबंधन ने यहूदी पवित्र दिन योम किप्पुर के दौरान इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया। योम

किप्पुर युद्ध को इस लिहाज से अहम माना जाता है कि इसके बाद अरब देश और इजरायल, दोनों ही पक्ष समझौतावादी रुख अपनाते दिखे। 1978 में कैंप डेविड समझौता हुए, जब इजरायल ने सिनाई प्रायद्वीप को मिस्र को वापस कर दिया और मिस्र-इजरायल शांति संधि हुई, जिसमें पहली बार किसी अरब देश ने इजरायल को मान्यता दी।

ओसामा बिन लादेन के बेटे की फ्रांस में एंट्री बैन : पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की सरकार ने अलकायदा नेता ओसामा बिन लादेन के बेटे उमर बिन लादेन को सोशल मीडिया पर पोस्ट के कारण देश में एंट्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है। फ्रांस के आंतरिक मंत्री ने मंगलवार को इस आदेश पर हस्ताक्षर किए। उमर बिन लादेन ने 2023 में सोशल मीडिया पर आतंकवाद के समर्थन में एक पोस्ट किया था। जिसके बाद उसे देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इससे पहले उमर सूडान और अफगानिस्तान में भी रह चुका है। ब्रिटिश महिला से शादी के बाद वह फ्रांस में रह रहा था। सऊदी अरब में जन्मे उमर बिन लादेन ने अपने शुरुआती साल वहीं बिताए। 43 वर्षीय उमर बिन लादेन सूडान और अफ़ग़ानिस्तान में भी रह चुका है। उमर ने 19 साल की उम्र में अपने पिता को छोड़ दिया था और 2016 में उत्तरी फ्रांस के नॉरमैंडी में बस गया था। वहां उन्होंने पेंटिंग करना शुरू कर दिया। फ्रांस के नए आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलो ने एक्स पर कहा कि उमर बिन लादेन एक ब्रिटिश महिला के पति के रूप में नॉर्मंडी में रहता था। मंत्री ने कहा कि जिहादी के बेटे ने 2023 में अपने सोशल नेटवर्क पर आतंकवाद की वकालत करने वाली टिप्पणियां पोस्ट कीं थी। जिसके बाद उस पर ऐक्शन हुआ।

श्रीलंका में इस साल अब तक 40,000 तो अर्जेंटीना में साल के अंत तक 576,000 से अधिक हो जाएंगे डेंगू के मामले

कोलंबो/ ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई (एनडीसीयू) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष श्रीलंका में अब तक 40,000 से अधिक डेंगू के मामले सामने आए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार एनडीसीयू ने बताया कि अब तक 40,109 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 19 की मौत हो चुकी है। पश्चिमी प्रांत में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, जो कुल मामलों का 42.3 प्रतिशत है। उत्तरी प्रांत दूसरे स्थान पर है जहां डेंगू के 12 प्रतिशत मामले हैं, जबकि मध्य प्रांत में 10.3 प्रतिशत मामले हैं। पश्चिमी प्रांत में सबसे अधिक 10,027 मामले कोलंबो जिले से सामने आए हैं। प्रांत में सबसे पीछे गम्पाहा जिला है, जहां 4,698 मामले सामने आए हैं। एनडीसीयू ने डेंगू के लिए 10 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की भी पहचान की है। एनडीसीयू के अनुसार पिछले साल डेंगू के कुल 88,000 से अधिक मामले सामने आए थे, जिनमें 57 लोगों की मौत हुई थी। अर्जेंटीना में इस वर्ष अब तक डेंगू के मामले 576,000 के पार चले गए है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के

अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में राष्ट्रीय महामारी विज्ञान बुलेटिन में यह अनुमान लगाया गया है कि 2024 के पहले 39 हफ्तों में देश भर में डेंगू के कुल 576,728 मामले सामने आए हैं। पिछले कुछ सप्ताहों में अर्जेंटीना ने गर्मी से पहले रोकथाम अभियान पर ध्यान केंद्रित किया है, क्योंकि गर्म और बरसाती मौसम की स्थिति के कारण यह बीमारी तेजी से बढ़ती है। इस अभियान में 48 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में रहने वाले 15 से 39 वर्ष की आयु के लोगों को टीके लगाए जाने शामिल है। यह टीका अभियान 19 सितंबर को शुरू हुआ। वर्तमान में की बात करें तो अर्जेंटीना के उत्तरी भाग में स्थित दो प्रांत चाको और फॉर्मोसा में इस बीमारी के ज्यादा मरीज सामने आए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 14वें एपिडेमियोलॉजिकल वीक के बाद से डेंगू के मामलों में निरंतर गिरावट आई है। लेकिन वहीं अर्जेंटीना के उत्तरी क्षेत्रों में अभी भी मामले सामने आ रहे हैं। इसी के चलते संघीय सरकार और प्रांतों ने डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए 2024-2025 के लिए रणनीतिक योजना शुरू की गई है। जो प्रत्येक जिले की जरूरतों के अनुकूल काम करेगी।

ट्रंप हारे तो मुझे जेल में डाल दिया जाएगा, एलन मस्क को डर, वो अपने बच्चों को भी नहीं देख पाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क को डर है कि अगर आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप, कमला हैरिस से हार जाते हैं तो उन्हें जेल भी हो सकती है। मस्क ने ये भी कहा कि अगर कमला हैरिस चुनाव जीतीं तो हो सकता है कि अमेरिका में फिर कभी चुनाव ही नहीं होंगे। एक इंटरव्यू के दौरान मस्क ने ये बातें कही। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में एलन मस्क खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। एंकर टकर कार्लसन के साथ एक इंटरव्यू में एलन मस्क से पूछा गया कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार जाते हैं तो क्या होगा? इस सवाल पर पहले ट्रंप चौंके और फिर मुस्कुराते हुए बोले कि अगर ट्रंप चुनाव हारे तो समझो मैं तो गया। आपको क्या लगता है कि मुझे कितने साल की जेल होगी? क्या मैं अपने बच्चों को भी देख पाऊंगा? मुझे नहीं पता। गौरतलब है कि एलन मस्क राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर चुके हैं और हाल ही में पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुई ट्रंप की रैली में एलन मस्क ने पूर्व राष्ट्रपति के साथ मंच भी साझा किया था और ट्रंप को चुनाव जिताने की अपील की थी। इंटरव्यू के दौरान एलन मस्क ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर ट्रंप इन चुनाव में नहीं जीते तो ये अंतिम चुनाव होंगे। अपनी आशंका जताते हुए मस्क ने कहा कि हैरिस बाइडन प्रशासन के दौरान जो लाखों अवैध अप्रवासी अमेरिका आए हैं,

उन्हें नागरिकता दे दी जाएगी और वे भविष्य में हमेशा के लिए डेमोक्रेट पार्टी के मतदाता होंगे। मस्क ने कहा कि ये मेरा अनुमान है कि अगर चार साल और डेमोक्रेट पार्टी की सरकार रही तो वे अगले चुनाव में कई अवैध अप्रवासियों को वैध कर देंगे और फिर अमेरिका में कोई स्विंग स्टेट नहीं होगा, जिससे देश में एक ही पार्टी का शासन होगा। एलन मस्क ने अपने दावे के पक्ष में साल 1986 के इमीग्रेशन रिफोर्म एंड कंट्रोल एक्ट का उदाहरण दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इस कानून के तहत लाखों अवैध अप्रवासियों को अमेरिका की नागरिकता दी गई थी। मस्क ने बताया इसके बाद ही कैलिफोर्निया डेमोक्रेट पार्टी का गढ़ बना है। मस्क ने कहा कि मुझे लगता है कि हम एक लोकतांत्रिक देश बने रहना चाहते हैं और हम एक पार्टी द्वारा शासित देश नहीं बनना चाहते।

अब 7 अक्तूबर की घटना फिर नहीं होगी, हम किसी आतंकी को नहीं छोड़ेंगे, इस्राइली विदेश मंत्रालय का बयान

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता एलेक्स गैंडलर ने कहा है कि अब इस्राइल पर हमले की 7 अक्तूबर जैसी घटना फिर कभी नहीं घटेगी। उन्होंने कहा कि हम आतंकियों का सफाया कर देंगे। उन्होंने ईरान पर इस्राइल के खिलाफ प्रोक्सी लड़ाई लड़ने का आरोप लगाया और कहा कि ईरान, इस्राइल को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हमारी सेना बहुत मजबूत है और अभी हम काफी मजबूत स्थिति में हैं।

हम पर चारों तरफ से हमले हो रहे : इस्राइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम पर चारों तरफ से हमले हो रहे हैं। न सिर्फ गाजा और लेबनान बल्कि कुछ हफ्ते पहले ईरान ने भी हम पर हमला किया था और यमन से भी हमला हुआ। हम इसे इस्राइल पर सात मोर्चों से हमला मानते हैं, लेकिन अभी इस्राइली सेना मजबूत स्थिति में है और हम किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि क्या हालात हैं। ईरान इस्राइल पर रॉकेट्स और अपने द्वारा पाले गए आतंकी संगठनों की मदद से हम पर हमले कर रहा है। इससे बीते एक साल से लड़ाई चल रही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पर हमला हो रहा है बल्कि समुद्र में हूती विद्रोही हमला कर रहे हैं। कई ताकतें हैं जो इस्राइल को निशाना बना रही हैं और इनके पीछे ईरान है।

इस्राइल में 7 अक्तूबर जैसी घटना दोबारा नहीं होगी : इस्राइली विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता ने इस्राइल पर हमास के हमले का एक साल पूरा होने पर कहा कि हमारा संदेश साफ है कि हम हर आतंकी का सफाया करेंगे। 7

अक्तूबर की घटना इस्राइल में दोबारा कभी नहीं होगी। यह हमारे लिए एक बड़ी सीख है। हम लोगों का एक लंबा इतिहास है और हम हमेशा अपनी गलतियों से सीखते हैं। दो देश समझौते पर उन्होंने कहा कि पहले हम अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करेंगे और उसके बाद ही शांति से बात हो सकती है। हम एक ऐसा देश चाहते हैं, जहां लोग शांति से अपने बच्चों के साथ रह सकें।

ईरान एक असफल देश एलेक्स गैंडलर ने कहा कि ईरान एक असफल देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। ईरान हम पर हमला करता है, लेकिन उसकी असली ताकत उसके द्वारा खड़े किए गए संगठन हैं। वर्षों के बाद उसने ये संगठन खड़े किए हैं। तेल और गैस से समृद्ध देश इस सारे पैसे को अपने नागरिकों की भलाई में लगा सकता था, लेकिन उसने इस पैसे का इस्तेमाल इस्राइल के खिलाफ प्रॉक्सी (इस्राइल से लड़ने वाले संगठन) तैयार करने में लगाया, लेकिन आज उसके सारे प्रॉक्सी असफल साबित हुए हैं। ईरान बुलगारिया, अर्जेंटीना और लेबनान में आतंकी हमलों में शामिल है। सीरिया में आतंकी हमलों के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इस्राइल को तबाह करने के लिए जितने भी संगठन खड़े किए हैं, एक दिन वो सारे तबाह हो जाएंगे।

भारत के साथ इस्राइल के संबंध मजबूत गैंडलर ने कहा कि भारत और इस्राइल के संबंध काफी मजबूत हैं। भारत, इस्राइल का अहम सहयोगी है। हम भारत को क्षेत्र में एक मजबूत आवाज के रूप में देखते हैं। मध्यस्थता के लिए कई देश कोशिश कर रहे हैं और बता रहे हैं कि ईरान को क्या करना चाहिए, लेकिन हम चाहते हैं कि सबसे पहले ईरान को संदेश दिया जाए कि क्षेत्र में शांति होनी चाहिए। ईरान के प्रॉक्सी इस्राइल पर हमले बंद करें। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से बीते कुछ हफ्तों से शांति के लिए कोई बात नहीं हुई है। हमास का प्रमुख हसन सिनवार ने जरूर कुछ मध्यस्थतों से बात की है, लेकिन जब से इस्राइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ हमले शुरू किए हैं, तब से शांतिवार्ता को लेकर कोई बात नहीं हुई है।

क्रिकेट जगत ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि, बोले देश ने एक महान रत्न खो दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। । देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को क्रिकेट जगत ने भी श्रद्धांजलि दी है। रतन टाटा का बुधवार रात को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांसें ली। उनके निधन से देश भर में शोक की लहर है। भारतीय क्रिकेटरों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हमने देश के एक सच्चे रत्न को खो दिया है। श्री रतन टाटा जी। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। आप हमेशा हमारे दिल में रहेंगे। ओम शांति।

वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने आज एक सच्चे आइकन को खो दिया। रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अलग छाप छोड़ी है। उनकी विरासत हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। ओम शांति।

वहीं हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, सतनाम वाहेगुरु, रतन टाटा जी आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक के रूप में हमेशा हमारे दिलों में बने रहेंगे। उनके नेतृत्व, विनम्रता और नैतिकता और मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने एक ऐसा मानदंड स्थापित किया जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनकी विरासत को हमेशा याद किया जाएगा, न केवल उनके द्वारा बनाई गई कंपनियों के लिए, बल्कि उन अनगिनत जिंदगियों के लिए भी, जिन्हें उन्होंने अपनी करुणा और उदारता से छुआ। ईश्वर उनकी आत्म को शांति दे।

वहीं सूर्यकुमार यादव ने कहा, दयालुता का प्रतीक, सबसे प्रेरणादायक, एक आदमी का चमत्कार। सर, आपने बहुत सारे दिलों को छू लिया है। आपका जीवन राष्ट्र के लिए वरदान रहा है। आपकी अंतहीन और बिना शर्त सेवा के लिए धन्यवाद। आपकी विरासत जीवित रहेगी। इसके अलावा कई अन्य क्रिकेटरों और क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों ने भी रतन टाटा को याद किया है।

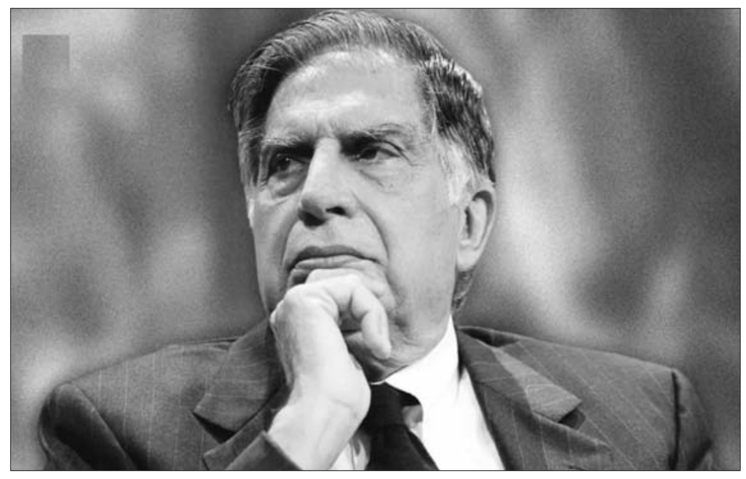

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम बृहस्पतिवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे से 0-3 से हार गई जिससे उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था जो 1972 से शुरू हुई इस चैम्पियनशिप के इस वर्ग में देश का पहला पदक है।

विश्व रैंकिंग में 42वें नंबर पर काबिज दिग्गज अचंता शरत कमल को दुनिया के सातवें नंबर के प्रतिद्वंद्वी लिन युन जू से कड़ी चुनौती मिली और वह 11-7, 12-10, 11-9 से पराजित हो गए। इसके बाद मानव ठक्कर को दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग-जुई से शिकस्त झेलनी पड़ी। चीनी ताइपे के इस खिलाड़ी ने ठक्कर को 11-9, 8-11, 11-3, 13-11 से हरा दिया। भारतीय टीम 0-2 से पिछड़ रही थी।

तीसरे मैच में हरमीत देसाई को भी निराशा का सामना करना पड़ा जो हुआंग यान-चेंग से 6-11, 9-11, 7-11 से हार गये। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हार के बावजूद भारतीय पुरुष टीम गर्व महसूस कर सकती है क्योंकि इस प्रतिष्ठित एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। पुरुष और महिला टीमों ने शानदार जज्बा और दृढ़ संकल्प दिखाया जिससे पता चलता है कि कि भारत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस में लगातार आगे बढ़ रहा है।'

शाकिब ने माफी मांगी, स्वदेश में अपना अंतिम टेस्ट खेलने की इच्छा जतायी

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने देश में आरक्षण के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कोई प्रतिक्रिय व्यक्त नहीं करने के लिए माफी मांगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि शाकिब स्वदेश लौटकर जिससे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेल सकते हैं। शाकिब 21 अक्टूबर से मीरपुर में होने वाले इस टेस्ट के बाद इस प्रारूप से संन्यास ले लेंगे। इस मैच के बाद उकने अमेरिका जाने की संभावना है क्योंकि उनका परिवार वहीं रहता है। शाकिब ने फेसबुक पर लिखा, 'मैं उन सभी छात्रों को श्रृद्धांजलि देता हूं जिनकी आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान मौत हुई या जो घायल हुए।

बांग्लादेश में शाकिब पर हत्या का एक मामला भी दर्ज हुआ है और उनकी गिरफ्तारी की भी आशंका है। शाकिब ने कहा, 'प्रियजनों को खोने की कमी की कोई भरपाई नहीं कर सकता। बच्चे या भाई को खोने की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। इस नाजुक दौर में मेरी खामोशी से आहत हुए लोगों से मैं माफी चाहता हूं। शेख हसीना सरकार में संसद सदस्य रहे शाकिब ने कहा, 'मैं आपकी जगह होता तो मैं भी दुखी होता। शाकिब ने अपना अंतिम टेस्ट बांग्लादेश में खेलने की इच्छा जताई है पर कहा है कि उन्हें वर्तमान सरकार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराए। भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद वह यूएई चले गए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप को अलविदा कह दिया था। उन पर प्रदर्शनों के दौरान एक छात्र की हत्या का आरोप है जबकि शाकिब उस समय कनाडा में एक टी20 लीग खेल रहे थे।

वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने शाकिब के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा था कि बीसीबी कोई सुरक्षा एजेंसी नहीं है और उन्हें सुरक्षा कवर की गारंटी नहीं दे सकती। सरकार के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने हालांकि कहा कि अपना राजनीतिक नजरिया अगर वह स्पष्ट कर देते हैं तो उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जा सकती है। शाकिब के सार्वजनिक माफीनामे के बाद अब लगता है कि वह मीरपुर के शेर ए बांग्ला स्टेडियम पर अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं।

पाकिस्तान/ इंग्लैंड : 27 साल बाद टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में बने 800 से ज्यादा रन

पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड ने 823 रन बनाकर रिकॉर्ड बुक में जोड़ नए अध्याय

मुल्तान (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट का 2553वां मैच रिकॉर्ड बुक में हमेशा अपना विशेष स्थान बनाए रखेगा क्योंकि इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे मैच में अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित करके कुछ नए रिकॉर्ड बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल चौथा अवसर है जबकि किसी टीम में 800 से अधिक रन बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में चौथा बड़ा स्कोर भी है।

रिकार्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छह विकेट पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। श्रीलंका ने तब टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च स्कोर के इंग्लैंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जिसने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी सात विकेट पर 903 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

इंग्लैंड ने इससे पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रूट ने 262 रन बनाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ा। वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, जाक कैलिस और राहुल द्रविड़ के बाद पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हैरी ब्रूक ने 317 रन की बड़ी पारी खेली जो टेस्ट क्रिकेट में किसी एक पारी में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर की सूची में संयुक्त रूप से 20वें नंबर पर है। वह टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले इंग्लैंड के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। यह 1990 में ग्राहम गूच के भारत के खिलाफ लगाए गए तिहरे शतक के बाद पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने यह उपलब्धि हासिल की।

रूट और ब्रूक ने 454 रन जोड़े जो इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम पर है जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2006 में 624 रन की साझेदारी की थी। पाकिस्तान के छह गेंदबाजों ने 100 से अधिक रन लुटाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल दूसरा अवसर है जबकि छह गेंदबाजों ने एक पारी में 100 से अधिक रन दिए। इससे पहले 2004 में जिंबॉब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था।

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा को करना पड़ सकता है अविश्वास प्रस्ताव का सामना, जानें पूरा मामला

मई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनने के दो साल से भी कम समय के बाद, प्रसिद्ध एथलीट पीटी उषा को 25 अक्टूबर को इसकी विशेष आम बैठक के दौरान अविश्वास मत का सामना करना पड़ सकता है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, कार्यकारी परिषद द्वारा बैठक के एजेंडा मुद्दों के बिंदु संख्या 26 के अनुसार, आईओए, कथित संवैधानिक उल्लंघनों और भारतीय खेलों के लिए संभावित रूप से हानिकारक कार्यों के मद्देनजर प्रेसिडेंट के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और विचार करेगा । पीटी उषा का आईओए के कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है और दोनों तरफ से आरोप लग रहे हैं । आईओए की प्रमुख बनने वाली पहली महिला पीटी उषा ने कथित तौर पर पात्रता मानदंडों का उल्लंठन करने के लिए कई कार्यकारी परिषद सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दूसरी ओर, उनके विरोधियों ने पीटी उषा पर ज्यादती का आरोप लगाया है। पेरिस ओलंपिक में आतिथ्य लाउंज के लिए रिलायंस के साथ अनुबंध के संबंध में भारत के नियंत्रक एंव महालेखा परीक्षक ने भी उनसे पूछताछ की है ।

कोच और कप्तान ने तेजी से खेलने को कहा था : रिंकू

नई दिल्ली । बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह ने कहा है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें खुलकर खेलने को कहा था । रिंकू के अनुसार कोच और कप्तान ने खिलाड़ियों से मैदान पर अपने अनुसार खेलने को कहा था । साथ ही कहा था कि वे निडर होकर शॉट लगायें । रिंकू ने इस मैच में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर 53 रन बना दिये । इस दौरान रिंकू की नीतीश रेड्डी 74 के साथ 49 गेंदों पर 108 रनों की शानदार साझेदारी हुई। इससे भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रही । भारत की इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त को लेकर रिंकू ने कहा, कोच और कप्तान ने हमें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए कहा था । हमें आक्रामक रुख अपनाने की पूरी आजादी दी गयी थी । रिंकू ने कहा, कोच ने हमें खुद पर भरोसा करने और अपना खेल खेलने के लिए कहा था । उन्होंने हमें गेंद को हिट करने की पूरी आजादी दी थी । रिंकू को इस मैच में तब बल्लेबाजी के लिए भेजा गया , जब भारतीय टीम ने पावरप्ले के अंदर ही 41 रन पर तीन विकेट खो दिये थे । इस बल्लेबाज ने कहा, मैं जिस स्थान पर खेलता हूं, वहां मुझे खेल के अलग-अलग मोड़ पर बल्लेबाजी करनी पड़ती है । जब भी मैं पहले बल्लेबाजी करने आता हूं, तो मेरा लक्ष्य एक और दो रन लेकर खराब गेंदों पर हमला करना होता है । वहीं जब मैं 2 से 3 ओवर बचे होने पर बल्लेबाजी करने आता हूं, तो मेरा लक्ष्य अधिक से अधिक बाउंड्री लगाने का होता है ।

एचआईएल से नई प्रतिभाएं सामने आयेंगी: सलिमा टेटे

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने एक बार फिर से हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की शुरुआत पर खुशी जतायी है। सलीमा ने कहा कि इस लीग से युवा खिलाड़ियों को तराशने में सहायता मिलेगी। इससे टीम के पास बैकअप के तौर पर कई अच्छी खिलाड़ी उपलब्ध होंगी। इस साल के अंत में शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित लीग की सात साल बाद वापसी हो रही है। हॉकी इंडिया ने एचआईएल में महिलाओं की अलग स्पर्धा पहली बार आयोजित करना तय किया है। ये पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी। यह लीग 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो आयोजन स्थलों रांची और राउरकेला में खेली जाएगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ तो महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी।

सलीमा ने कहा, 'मैं एचआईएल की शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं, यह सात साल बाद दोबारा शुरू हो रहा है और इस बार इसमें महिला लीग भी है। पूरी टीम पिछले कुछ दिनों से इस बात पर बात कर रही थी। इसमें हमें अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों से मिलने, उनके साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इससे हम अपने प्रदर्शन में सुधार ला सकेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, 'इससे युवा खिलाड़ियों को खेल को बेहतर समझने का मौका मिलेगा। करियर की शुरुआत में ही दबाव वाले पेशेवर माहौल में खेलने से उन्हें बेहतर अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि एचआईएल टीम से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश करने का अवसर देगा।

इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसमें सभी फ्रैंचाइजी को 24 खिलाड़ियों वाली टीम बनानी होगी जिसमें कम से कम 16 भारतीय चार जूनियर खिलाड़ी रखना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा आठ विदेशी खिलाड़ी शामिल रहेंगे। सलीमा ने कहा, 'नीलामी जल्द ही होने वाली है और शिविर में इसे लेकर काफी हलचल है। यह पहला सत्र है इसलिए मैं रांची टीम के लिए ही खेलना पसंद करूंगी।

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने संन्यास की घोषणा की, जानें कब खेलेंगे अंतिम मैच

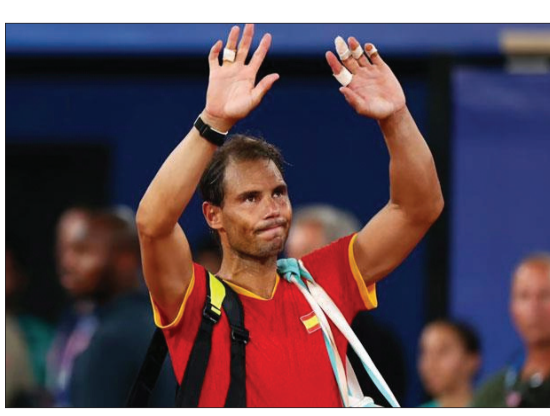

स्पोर्ट्स डेस्क । दिग्गज टेनिस स्टार और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने संन्यास की घोषणा कर दी है । नडान ने पुष्टि की है कि वह इस सत्र के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लेंगे । 38 वर्षीय टेनिस आइकन नवंबर में मैलागा में होने वाले डेविस कप फाइनल में स्पेन के लिए अपना अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे । नडाल ने गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश के माध्यम से यह खबर साझा की जिसमें उन्होंने अपने हालिया संघर्षों और खेल के कारण अपने शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभाव के बारे में बताया । संन्यास की घोषणा करते हुए वीडियो में नडाल ने कहा, 'जीवन में हर चीज की शुरुआत और अंत होता है । मुझे लगता है कि यह एक ऐसे करियर को समाप्त करने का सही समय है जो मेरी कल्पना से कहीं अधिक लंबा और सफल रहा है । उन्होंने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा आखिरी टूर्नामेंट डेविस कप का फाइनल होगा, जिसमें मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगा । मुझे लगता है कि मैं एक पूर्ण चक्र में आ गया हूं क्योंकि एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरी पहली खुशियों में से एक 2004 में डेविस कप फाइनल था ।'

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को रहना होगा सावधान: लारा

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा है कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौर में सतर्क रहना होगा। लारा के अनुसार मेजबान टीम अपनी पिचों पर बेहद खतरनाक बन जाती है। भारतीय टीम आने वाले दिनों में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू हो जाएगी। पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली चार सीरीज़ लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में दो जीत

शामिल हैं। भारत ने 10 बार ये सिरीज जीत है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल पांच बार ही इसे जीत पायी है। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम बार घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ 2014-15 सत्र में जबकि भारत में अंतिम सीरीज जीत 2004-05 में जीती थी।

लारा ने कहा कि भारत में हालात बदल गये हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की भी प्रशंसा की है। आईपीएल के साथ, भारत के पास अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आ रहे हैं। इसमें आप अपने खिलाड़ियों को एक अलग स्तर की प्रतिस्पर्धा में खेलने का अवसर दे रहे हैं, जो बहुत अच्छा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके तटों पर खेलना आसान नहीं है। वह अपने घर पर एक अलग प्रकार की टीम है।

पीसीबी में युवा क्रिकेट निदेशक बन सकते हैं अजहर अली

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में युवा विकास कार्यक्रम के निदेशक बनाये जा सकते हैं । पीसीबी ने युवा क्रिकेट निदेशक के पद के लिए विज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगा है । इसमें शर्त है कि उम्मीदवारों ने अपने देश की ओर से कम से कम 50 टेस्ट मैच खेले हों । ऐसे में अजहर इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं क्योंकि उन्होंने जूनियर स्तर के खिलाड़ियों के साथ काम करने और व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपनी रुचि भी व्यक्त की है। इसके अलावा एक अन्य पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ भी इस पद के लिए दावेदार हैं। हाल ही में उन्होंने राष्ट्रीय चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दिया है । पीसीबी ने यह तस करने के लिए नया पद बनाया है कि नियुक्त उम्मीदवार क्षेत्रीय कोच, अकादमियों और खिलाड़ियों के साथ अंडर-13 से अंडर-19 स्तर पर बेहतर तरीके से समन्वय स्थापित कर सके । उन्हें नई प्रतिभाओं की खोज करने और उन्हें सही प्रणाली के माध्यम से तैयार करने का भी काम दिया जाएगा । इसके अलावा इस पद पर बैठे व्यक्ति की जिम्मेदारी विभिन्न आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में आयु सत्यापन करने रहेंगा जिससे धोखाधड़ी की संभावना न रहे । इसके साथ ही राजनीतिक हस्तक्षेप को भी रोकना होगा ।

आईपीएल के शुरुआत से ही एक टीम से खेले हैं ये खिलाड़ी

नई दिल्ली(हिन्द दर्पण)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल 2025 सत्र के लिए सभी टीमों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी के तहत टीम ये विचार कर रही हैं कि किन खिलाड़ियों को रिटेन किया जाये और किन्हें रिलीज करना ठीक रहेगा। वहीं अब तक आईपीएल इतिहास में केवल 5 खिलाड़ी ऐसे हैं हैं जिन्हें कभी रिलीज नहीं किया गया। ये खिलाड़ी शुरुआत में जिस टीम में शामिल हुए अब भी उसी में बने हुए हैं। इन खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर , विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी, ऋषभ पंत , सुनील नरेन जैसे खिलाड़ी हैं।

सचिन तेंदुलकर = जब 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई तब सचिन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस का आइकॉन प्लेयर चुना गया। आइकॉन प्लेयर का मतलब था कि वह खिलाड़ी नीलामी में नहीं उतरेगा। इसके अलावा आइकॉन प्लेयर को टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी से 15 फीसदी ज्यादा रकम मिलेगी। सचिन 2008 से 2013 में संन्यास लेने तक मुंबई इंडियंस में ही थे।

महेंद्र सिंह धोनी =धोनी आईपीएल 2008 में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। तब चेन्नई सुपरकिंग्स ने धोनी को 15 लाख डॉलर की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया था। तब से सीएसके ने धोनी को कभी रिलीज नहीं किया है

विराट कोहली = विराट आईपीएल की शुरुआत से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से खेल रहे हैं. कोहली 2013 से 2021 तक इस टीम के कप्तान भी रहे हैं। विराट भले ही आरसीबी को खिताब नहीं जिता पाए पर वह आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक 8004 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। बेंगलुरू की टीम कोहली की कप्तानी में आईपीएल 2016 का फाइनल खेल चुकी है।

ऋषभ पंत = ऋषभ भी उन क्रिकेटरों में शुमार हैं, जो आईपीएल में डेब्यू करने से लेकर अब तक एक ही टीम से खेल रहेहे हैं। ऋषभ को दिल्ली डेयर डेविल्स ने 2016 में नीलामी के जरिये अपनी टीम में शामिल किया। वह तब से ही इसी टीम से खेल रहे हैं. साल 2021 में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। सुनील नरेन =नरेन ने भी आईपीएल में जब से प्रवेश लिया है तब से एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं। नरेन को 2012 में कोलकाता नाइटराइडर्स ने 7 लाख डॉलर की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया था।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

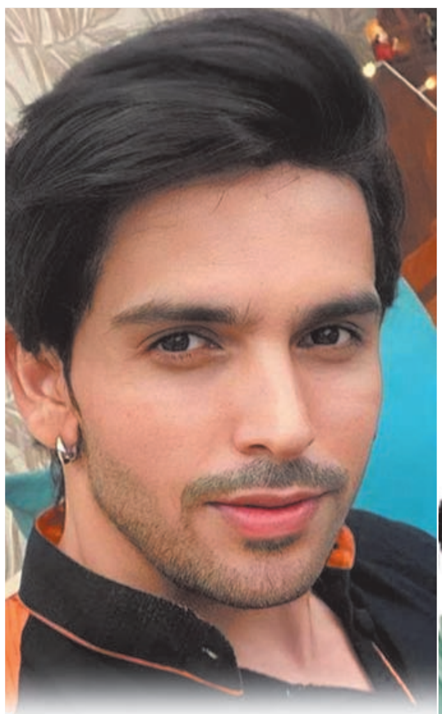

वो मेरा मुकद्दर नहीं छीन सकते, शो से रातोंरात बाहर किए जाने पर बोले शहजादा धामी

सलमान खान का शो बिग बॉस 18 दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हाजिर हो गया है। शो में ये रिश्ता क्या कहलाता है से रातों रात बाहर निकाले जाने वाले अभिनेता शहजादा धामी ने भी भाग लिया है। शो में भाईजान ने उनका काफी अच्छे से स्वागत भी किया था। हालांकि, बिग बॉस 18 में आते ही अभिनेता ने अपने तीखे शब्दों से शो अपने पिछले शो के मेकर्स पर वार करना शुरू कर दिया।

शहजादा धामी ने बिग बॉस 18 के मंच पर ये रिश्ता क्या कहलाता है के निर्माता राजन शाही, शो के निर्देशकों और बहुत कुछ के बारे में चौंकाने वाले दावे किए हैं। जब होस्ट सलमान खान ने शहजादा से पूछा कि उनके पिछले शो में उनके साथ क्या हुआ था, तो अभिनेता ने याद किया कि कैसे एक दिन उन्हें शो से बाहर निकाल दिया गया था। उन्होंने कहा कि निर्माता उनसे शो तो छीन सकते हैं, लेकिन उनकी किस्मत नहीं। शहजादा ने कहा, वो मुझसे एक शो छीन सकता है, मेरा मुक्कदर नहीं। इसके अलावा, शो से निकाले जाने के बाद होस्ट सलमान खान के बारे में बात करते हुए शहजादा ने कई घटनाओं को याद किया, जब उन्हें ये रिश्ता क्या कहलाता है के निर्देशकों, निर्माता राजन शाही और शो की प्रोडक्शन टीम ने अपमानित किया था।

शहजादा धामी की शिकायत सुनकर सलमान खान ने शो के बारे में सवाल किया और पूछा, ये शो अब तक चल रहा है क्या? कौन हैं ये लोग? शहजादा की बात सुनकर अविनाश ने बीच में ही बात काटते हुए सलमान से कहा कि उन्होंने भी प्रोडक्शन हाउस के साथ काम किया है और उनका मानना है कि प्रोडक्शन हाउस और शो के निर्माता बहुत ही प्रोफेशनल लोग हैं और युवा होने के नाते वे भी गलतियां कर सकते हैं। इसके बाद सलमान ने शहजादा से कहा कि वह अपनी पिछली गलतियों को ध्यान में रखें और जो कुछ भी हुआ है उसे भूलकर आगे बढ़ें। शहजादा धामी की सोशल मीडिया पर काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। ऐसे में लोगों का मानना है कि वह अपनी छवि साफ करने के लिए बिग बॉस 18 का हिस्सा बने हैं।

इंशाअल्लाह के बंद होने पर खूब रोई थीं आलिया भट्ट

कुछ सालों पहले फिल्म इंशाअल्लाह में अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता सलमान खान को साथ में देखा गया था। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली ने बनाया था। हालांकि, इस फिल्म को बंद कर दिया गया था, जिससे प्रशंसकों का दिल टूट गया था। संजय लीला भंसाली ने अपनी इसी फिल्म को लेकर अब कुछ और बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के बंद होने पर कैसे आलिया ने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया था। वह फिल्म के बंद होने पर बुरी तरह टूट गई थीं। आलिया ने खुद को कर लिया था कमरे में बंद संजय लीला भंसाली ने एक बातचीत के दौरान बताया कि आलिया ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। उन्होंने बताया कि जब वह आलिया भट्ट के साथ इंशाअल्लाह के लिए काम कर रहे थे और अचानक यह फिल्म बंद हो गई। फिल्म निर्माता ने कहा, वह टूट गई, वह फूट-फूट कर रोने लगी थीं, उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया था। संजय लीला भंसाली ने एक हफ्ते बाद आलिया को फोन किया और कहा कि वह उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में मुख्य महिला की भूमिका निभाने जा रही हैं। इस पर आलिया को संदेह हो गया था कि वह ये किरदार निभा भी सकती हैं या नहीं। इस प्रपोजल के बाद आलिया ने एक दिन संजय लीला भंसाली को फोन किया और कहा, जिस जगह का किरदार मुझे निभाना था, मैं उसी कमाठीपुरा आई हूं। मैं कैसे करूं? मैं इस किरदार को नहीं जानती हूं। तब संजय लीला भंसाली ने उन्हें शांत किया और कहा कि भरोसा रखो। इस फिल्म के लिए उन्होंने जैसा काम चाहा वैसा ही किया। आलिया को अपने किरदार गंगूबाई के लिए प्रशंसकों का बहुत प्यार मिला था।

मलाइका कहने पर भड़कीं मल्लिका शेरावत

अपनी बोल्ड और बिंदास इमेज से सभी के दिलों की मलिका बन चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत अपनी कमबैक फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद मल्लिका के प्रशंसक उनकी इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले मल्लिका मुंबई वापस आ गई हैं। जब वह सोमवार को मुंबई में दिखीं तो उन्होंने पैपराजी से जमकर बातचीत की। लेकिन अफसोस की बात पैपराजी ने उन्हें उनके नाम की जगह मलाइका मैम कहकर संबोधित किया तो मल्लिका भड़क गईं और उन्होंने तुरंत ही पैपराजी के कान खींचे। उनका यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आप मल्लिका शेरावत को मुंबई की सड़कों पर पैपराजी से बातचीत करते हुए देख सकते हैं। पहले तो मल्लिका बेहद खुश नजर आ रही हैं और सभी को अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को देखने की गुजारिश करती हैं। लेकिन अचानक ही एक मीडियाकर्मी उन्हें मल्लिका की जगह मलाइका मैम कह देता है, जिस पर मल्लिका बेहद नाराज हो जाती हैं और तुरंत ही वह पैपराजी के कान सभी के सामने खींचने से बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाती हैं।

फैंस को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में सलमान, सिकंदर ही नहीं इन चार प्रोजेक्ट में दिखेंगे

सलमान खान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। उनके फैंस की संख्या करोड़ों में है। उनके स्टारडम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि किसी भी फिल्म में वह छोटा सा किरदार निभाकर भी वह उस फिल्म की किस्मत बदलने का दम रखते हैं। टाइगर 3 के बाद सलमान इन दिनों सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। सलमान केवल इस फिल्म में ही नहीं बल्कि चार और फिल्मों में विशिष्ट किरदार निभाते हुए नजर आने वाले हैं। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना। सलमान खान आने वाली कई बड़ी फिल्मों में अपनी झलक से फैंस को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान ने हाल ही में वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन के लिए शूटिंग की है। इस फिल्म में वह वरुण के साथ एक्शन करते हुए नजर आने वाले हैं। हाल ही में एटली ने इस फिल्म के सीन को मुंबई में फिल्माया है। वहीं, वह कई सितारों से सजी रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सिंघम अगेन में भी अपनी विशिष्ट भूमिका से दर्शकों पर अपना जादू चलाएंगे। इसके अलावा वह आर्यन खान की वेब सीरीज में नजर आने वाले हैं। सलमान खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी दोस्ती के लिए काफी मशहूर हैं। वह अपने दोस्त और अभिनेता सनी देओल की फिल्म सफर में भी एक कैमियो रोल में दिखेंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान सिकंदर के बाद किक 2 में भी दिखेंगे। हाल ही में इस फिल्म का एलान साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन हाउस की ओर से किया गया है।

बॉलीवुड में हुई फवाद खान की री-एंट्री, अबीर-गुलाल में करेंगे वाणी के साथ रोमांस

हाल ही में इंडियन स्टोरीज ने फवाद की बॉलीवुड में वापसी की घोषणा की है। उन्होंने फवाद और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल की भी घोषणा की है। लंबे समय के बाद फवाद एक बार फिर भारतीय फैंस का मनोरंजन करने के लिए वापस लौट रहे हैं। पाकिस्तान अभिनेता फवाद खान अपनी फिल्मों और सीरीज को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेता पिछले दिनों अपनी सीरीज बरजख को लेकर काफी चर्चा में थे। हालांकि, अब भारतीय फैंस के लिए खुशखबरी है। पिछले कई दिनों से फवाद के बॉलीवुड में आने की खबरें सुर्खियों में थीं। हालांकि, अब इन अफवाहों के बादल छट चुके हैं और फवाद की बॉलीवुड में री-एंट्री हो गई है। अभिनेता फिल्म अबीर गुलाल में वाणी कपूर के साथ स्क्रीन साझा करने वाले हैं।

अबीर गुलाल की हुई घोषणा

हाल ही में इंडियन स्टोरीज ने फवाद की बॉलीवुड में वापसी की घोषणा की है। उन्होंने फवाद और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल की भी घोषणा की है। लंबे समय के बाद फवाद एक बार फिर भारतीय फैंस का मनोरंजन करने के लिए वापस लौट रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह बताया है कि फिल्म की शूटिंग 29 सितंबर को शुरू हो गई है और फिल्म का बैकग्राउंड लंदन पर ही आधारित होगा।

वाणी कपूर के साथ रोमांस करेंगे फवाद

फवाद के फिल्म का हिस्सा होने की खुशी जाहिर करते हुए निर्माता ने कहा, फवाद के पास एक बड़ी फैन फॉलोइंग है। हमें उम्मीद है कि फिल्म में फवाद और वाणी की जोड़ी को फैंस अपना प्यार जरूर देंगे। फिल्म में फवाद और वाणी की वो केमिस्ट्री दिखेगी, जो आज से पहले किसी ने नहीं देखी होगी। दोनों की भूमिकाएं भी काफी अलग है, जिससे सभी को प्यार हो जाएगा।

यह है फिल्म की कहानी

निर्देशक आरती एस बागड़ी ने कहानी का छोटा हिंट देते हुए कहा, फिल्म दो ऐसे लोगों के बारे में है, जो एक-दूसरे की मदद करते हैं, लेकिन आगे चलकर दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है। बता दें कि अक्तूबर और नवंबर में फिल्म की शूटिंग यूके में की जाएगी। फिल्म के पहले ही छह ट्रैक बना दिए गए हैं। बता दें कि यह फिल्म विवेक बी अग्रवाल, अवंतिका हरि और राकेश सिप्पी द्वारा निर्मित है।

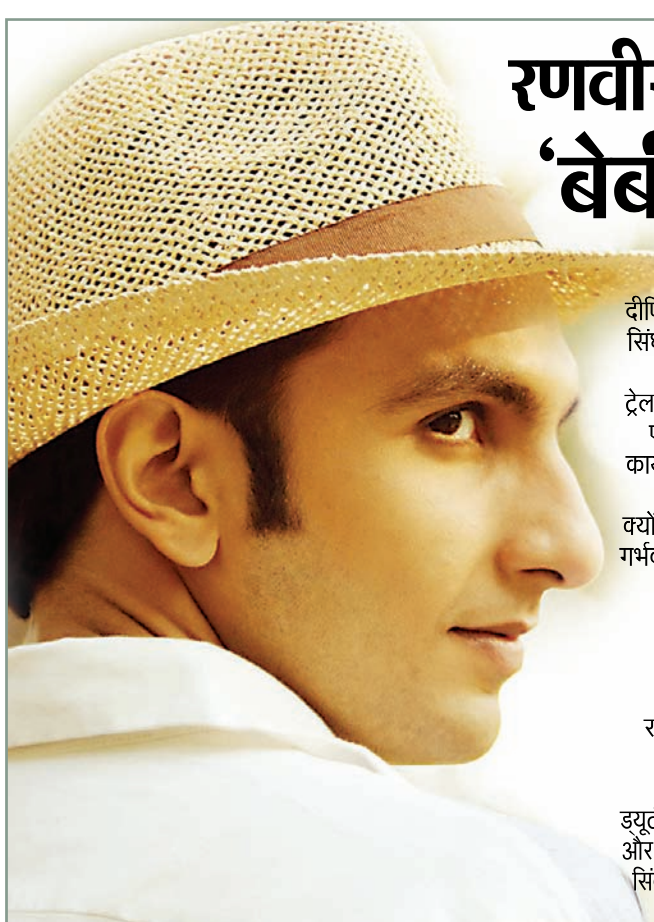

रणवीर ने 'सिंघम अगेन' को बताया 'बेबी सिम्बा' की डेब्यू फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज के लिए तैयार हैं। रोहित शेट्टी की निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर सोमवार यानी 7 अक्तूबर को मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम में जारी किया गया। कार्यक्रम के दौरान रणवीर ने कहा कि यह फिल्म उनकी बेटी की पहली फिल्म है, क्योंकि फिल्म की शूटिंग के दौरान दीपिका गर्भवती थीं। हालांकि, यह खुलासा पहले ही हो चुका था कि कल्कि 2898 एडी की शूटिंग के वक्त दीपिका प्रेग्नेंट थीं।

रणवीर सिंह ने सिंघम को बताया बेटी की पहली फिल्म

रणवीर ने ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कहा, दीपिका इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं क्योंकि वह बच्चे के साथ हैं। मेरी ड्यूटी रात में है। फिल्म में बहुत सारे सितारे हैं और मैं यह कहना चाहूंगा कि यह मेरे बच्चे, बेबी सिंबा का डेब्यू है, क्योंकि दीपिका सिंघम अगेन की शूटिंग के दौरान गर्भवती थीं।

अभिनेता ने अपनी बेटी को दिया बेबी सिम्बा का टैग

रणवीर ने कहा, लेडी सिंघम (दीपिका), सिम्बा और बेबी सिम्बा की ओर से आप सभी को दिवाली की बहुत शुभकामनाएं। ट्रेलर का आनंद लें और अपने परिवारों के साथ दिवाली मनाएं। हमें आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है।

कल्कि 2898 एडी की शूटिंग के वक्त प्रेग्नेंट थीं दीपिका

एक इंटरव्यू में शाश्वत ने बताया कि था जब यह सीन शूट किया गया तो दीपिका के पति रणवीर सिंह सेट पर मौजूद थे। उस समय दीपिका प्रेग्नेंट थी, उन्होंने कहा कि उन्होंने अभिनेता को भरोसा दिलाया कि दीपिका और उनके सीन को लेकर पूरी सावधानी बरती जाएगी और जहां जरूरत होगी, बॉडी डबल का इस्तेमाल किया जाएगा।

इन कलाकारों से सजी है फिल्म

दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। दीपिका ने अप्रैल 2024 में सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू कर दी थी। 8 सितंबर को कपल ने अपनी बेटी का स्वागत किया था और फैंस के साथ इस खुशखबरी को शेयर भी किया था। वहीं, बात करें सिंघम अगेन की तो फिल्म में दीपिका शक्ति शेट्टी के रूप में नजर आएंगी, जो कॉप यूनिवर्स की पहली महिला हैं। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में रणवीर सिम्बा के रूप में अपनी भूमिका को फिर से दोहराएंगे। फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर खान, अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ और अक्षय कुमार जैसे कलाकार भी हैं।

दलपति 69 के लिए विजय ने फिर मिलाया अनिरुद्ध रविचंदर से हाथ!

विजय की आखिरी फिल्म दलपति 69 की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो गई है और टीम एक भव्य गाने की शूटिंग कर रही हैं। विजय इस जोशीले गाने के लिए संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ पार्श्व गायक के रूप में फिर से जुड़ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय और अनिरुद्ध फिर साथ काम करेंगे, गाने का नाम वन लास्ट सॉन्ग होगा। यह गाना असल कोलार द्वारा लिखा गया है, रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक एच विनोथ और उनकी टीम इस गाने को बड़े पैमाने पर फिल्मा रहे हैं। गाने में करीब 500 डांसर होंगे, विजय के साथ पूजा हेगड़े भी गाने के लिए चल रही शूटिंग का हिस्सा हैं। निर्माता कथित तौर पर एक शेड्यूल में शानदार गाने के सीक्वेंस को शूट करने की योजना बना रहे हैं, जो एक सप्ताह से अधिक समय तक चलने की उम्मीद है।